हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 अप्रैल, 1982

खंड 1, अंक 15

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 1 अप्रैल, 1982

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उतर	(15)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(15)20
सचिव द्वारा घोशणाः–	
पब्लिक अन्डरटेकिंगज कमेटी की वर्श 1981–82 के लिए छठी रिपोर्ट पे ा करने संबंधी	(15)23
वर्श 1982–83 के लिए प्रब्लिक अकाउंट्स कमेटी तथा ऐस्टीमेट्स कमेटी के निर्वाचनों से नाम वापिस लेना	(15)23
एस.वाई.एल. नहर की अलाईनमैंट	(15)24
ध्यानाकर्शण सूचनाः–	
बेमौसमी वर्शा तथा ओलावृश्टि के कारण हरियाणा में सामान्य रूप से तथा भााहबाद मारकण्डा में वि ोशतया 75 प्रति ात आलुओं की फसल खराब	(15)28

होने संबंधी	
वक्तव्यः—	
कृशि मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण सूचना संबंधी	(15)30
वाक आउट	(15)32
बिल्जः—	
1. दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट एण्ड वैलिडे ान)	(15)38
2. दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुले ान एण्ड डिवेल्पमैंट) अमैंडमैंट बिल, 1982	(15)41
3. दि पंजाब सिनेमाज (रैगुले ान) हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1982	(15)42
4. दि हरियाणा पब्लिक वकफस (ऐक्सटै ान आफ लिमिटे ान) बिल, 1982	(15)43
5. दि पंजाब एक्साईज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1982	(15)45
बलदेव तायल इन्कवायरी कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा	(15)46
वाक आउट	(15)55
बलदेव तायल इन्कवायरी कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा	(15)55

(पुनरारम्भ)	
स्पश्टीकरणः—	
कृशि मंत्री द्वारा, घरौंडा में नई अनाज मंडी के बराबर 11 एकड़ भूमि डी एक्वायर करने संबंधी।	(15)58
उपाध्यक्ष द्वारा घोशणाः—	
चौधरी गंगा राम को सदन में उपस्थित होने की आज्ञा देने संबंधी	(15)60

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 1 अप्रैल, 1982

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ. में प्रातः 9,30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अधयक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Addition to Civil Hospital Building at Karnal

***2617. Ch. Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Health be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to add a new building to the existing Civil Hospital Building at Karnal; and

(b) if so, the details of the additional building together with the amount allocated for the purpose and the time by which construction work is likely to be started?

स्वास्थ्य तथा पर्यटन मंत्री (चौधरी गजराज बहादुर नागर):

(क) नहीं। अपितु करनाल में वर्तमान हस्पताल के स्थान पर पूर्णतया एक नए हस्पताल के निर्माण करने का प्रस्ताव है।

(ख) 200 बिस्तर के हस्पताल के निर्माण पर प्रथम चरण में 3.62 करोड़ रूपये खर्च करने की संभावना है। जब कभी भी धन उपलब्ध होगा, निर्माण कार्य आरम्भ किया जाएगा।

चौधरी राम लाल वधवा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जब चौधरी भजन लाल जी जनता सरकार के समय में मुख्य मंत्री बने तो ये पहली बार करनाल आए थे। वहां पर लोगों ने केवल हस्पताल के बारे इनको ि ाकायत भी की थी और इन्होंने लोगों को कहा था कि समझो कि हस्पताल का मसला हल हो गया। पता नहीं इन्होंने अपनी आदत के मुताबिक कह दिया था या ये सीरियस थे। उसके बाद जब ये दल बदल कर कांग्रेस सरकार में गए तो दो बार फिर ये करनला गए। इन्होंने वहां दोनों बार अनाउंस किया कि यह हस्पताल तो बना गया समझो। मैं यह पूछना चाहता हूं कि मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है कि इस पर इतने रूपये लगेंगे, क्या इस करन्ट ईयर में उसके लिये पैसे की कोई प्रोवीजन है या यह भी चौधरी भजन लाल की तरह घोशणा वाली बात हैं ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, जैसे कि मेरे फाजिल मैम्बर ने फर्माया यह दुरूस्त ळै कि मुख्य मंत्री जी ने घोशणा की थी। उन्होंने वहां से वापिस आते ही एक मीटिंग बुलाई। उस मीटिंग में न सिर्फ करनाल बल्कि फरीदाबाद, अम्बाला और सोनीपत में भी हस्पताल बनाने का फैसला लिया गया था। उसके बाद दो मीटिंग और भी कर चुके हैं। करनाल के अन्दर खास तौर पर जमीन का मसला भी था। सवाल यह पैदा हुआ कि इसी बिल्डिंग को डिमालि ा करके बनाया जाए या नई बिल्डिंग बनाई जाए। वहां पर पांच स्टोरी की बिल्डिंग बननी है। वह एक दिन में कंस्ट्रक्ट होने वाली नहीं है बल्कि स्टेज बाई बननी है। यही मुख्य मंत्री हैं जिन्होंने यह निर्णय लिया था और वधवा साहब वि वास रखें कि नई बिल्डिंग का ि ालान्यास भी यही मुख्य मंत्री करेंगे।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, जैसे अभी मंत्री जी ने करनाल, सोनीपत, फरीदाबाद और अम्बाला के हस्पतालों के बारे में फर्माया। क्या इसी तरह से हर जिले में जहां पर बड़े हस्पताल है, जैसे रोहतक में मैडिकल कालेज है, वहां पर हस्पताल के साथ साथ धर्म ाला बनाने का इन्तजाम करेंगे ताकि मरीजों के साथ जो अटैंडेंट आते हैं उनके ठहरने की व्यवस्था हो सके ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः मैं इसी सदन में दो दिन पहले बता चुका हूं कि मैडिकल कालेज रोहतक के साथ धर्म ाला बनाने का फैसला हो चुका है। 8–9 लाख रूपये महर्शि

दयानन्द यूनिवर्सिटी ने देना था वह अभी तक नहीं दिया। अगर वह रूपया नहीं भी देते तब भी मुख्य मंत्री जी का निर्णय है कि वहां पर धर्म ाला बनानी है। उस धर्म ाला पर 55 लाख रूपया खर्च होगा।

श्री दीप चन्द भाटियाः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में बाद ाह खां हस्पताल का पत्थर मुख्य मंत्री जी ने अपने हाथों से रखा था। मैं जानना चाहता हूं कि क्या राम लाल वधवा जी का हस्पताल पहले बनाना भुरू करेंगे या भाटिये का ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, बी.के. हस्पताल का पत्थर मुख्यमंत्री जी ने रखा था और उसके बाद फरीदाबाद से आते ही मुख्य मंत्री जी ने मीटींग बुलाई थी ओर निणर्य लेकर रूपया एलोकेट कर दिया था। उसके टेंडर भी हो चुके हैं और यहां से मन्जूर होकर जा चुके हैं। मैं भाटिया साहब को बताना चाहता हुं कि वे जब यहां से फरोदीबाद जाऐंगे तो उनको वहा पर काम चालू मिलेगां।

श्री दीप चन्द भाटियाः धन्यावाद।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह सवाल करनाल का था और मुख्यमंत्री महोदय ने फरीदाबाद के बारे में भी जवाब दे दिया इसलिये मैं भी नारनौद के बारे में पुछना चाहता हूं। नारनोद गाव की दस हजार की आबादी है और 10–15 मील के रेडियस में वहां मन्जूर किया था। अब उसके फडंज तो चौधरी

भजन लाल आदमपुर ले गए। क्या वह स्कीम और सैंक ान अभी तक कागजों में है और उसका नम्बर भी आएगा या नही?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः वैसे तो इस सवाल का मेन सवाल से कोई संबंध नही हैं। फिर भी मेरा निवेदन है कि मुझे कागज देखने के लिए समय चाहिए, यह मैं बाद में बता दूंगा।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, रोहतक भाहर में सिविल हस्पताल 19वीं सदी के अन्त में बना दिया था। आज उसकी हालत बहुत खराब है और अनहाईजनिक है। क्या सरकार उसकी रैनावे ान करने का विचार करेंगे?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, मेरे फाजिल दोस्त बहुत सीनियर लैजिसलेटर और उसी भाहर में रहतें हैं। मै वहां खुद तीन बार गया और वहां का मुयाअना किया। उसके बाद मुख्यमंत्री जी से मेरा विचार विर्म ा हुआ। मुख्यमंत्री जी ने निर्णय लिया कि रोहतक हस्पजाल की हालत अगर ऐसी है तो उसे फौरन ठीक किया जाए। उसके बाद मिंटिग में उसके लिए पैसे मन्जूर किए गए और वहां पर काम भुरू कर दिया हैं। जौ वहां पर लो लाइंग एरिया था वहां पर मिट्टी डाल दी गई है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो 10 बैड के, 25 बैड के या 50 बैड के

हस्पताल बन रहें है, वे जब कम्पलीट हो जाऐगें तो क्या उसी वक्त उसमें स्टाफ भेज देंगे?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः जिस हस्पताल की भी बिल्डिंग कम्पलीट होती हैं उसके बाद वहा स्टाफ ही नही बल्कि बिस्तर तथा और साजो सामान भी फौरन भेज दिया जाता है। हमारे पास सभी चीजों का एडवांस इन्तजाम होता है।

मास्टर जोगी रामः क्या मंत्री महोदय बताएगें कि असन्ध के हस्पताल के लिए पैसा तो मंजूर हो चुका है, उस पर काम कब तक भाुरू करवाने जा रहे हैं?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, मै सदन की इतलाह के लिए बताना चाहता हूं कि काई भी हस्पताल बनाने का निर्णय लेने के बाद उस हस्पताल का जो भी पैसा मंजूर किया जाता हैं वह पी0डब्ल्यू0डी0 को ट्रांसफर हो जाता हैं। इसके बाद पी0डब्ल्यू0डी0 टैंडर इनवाइट करता हैं और कंस्ट्रक ान का काम करता हैं। जैसे मेरे फाजिल दोस्त ने कहा कि असन्ध के हस्पताल के लिए पैसा मन्जूर हो चुका हैं, वह पैसा पी0डब्ल्यू0डी0 को चला गया होगा जितने बिल्डिंग की कस्ंट्रक ान का काम करना है।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने फरमाया कि करनाल में हस्पताल के लिए जगह का फैसला होना था। मुझे पता नही मंत्री जी करनाल के हस्पताल में गए हैं या नही। उस हस्पताल के साथ इतनी जमीन खाली पड़ी है जिसके

अन्दर पांच मंजिल की बिल्डिंग का हस्पताल बन सकता हैं। मंत्री जी पता नही किस चीज फैसला करना चाहते हैं। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस साल में उस हस्पताल के बनाने का काम भुरू करवाएगें या नही?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, मै करनाल हस्पताल में कम से कम 7–8 मर्तबा गया हूं और मैने हस्पताल की बिल्डिंग का मुयाअना भी किया हैं। मैने उस हस्पताल के पे ोन्ट को भी सुना हैं ओर मैने यह भी देखा था कि आया डिपार्टमैन्ट अच्छी तरह से काम कर रहो है या नही। उस हस्पताल की जो ि ाकायतें आई थी उनका भी मुयाअना किया गया है। इसके अलावा मैं यह भी बताना चाहता हूं कि पिछले हफ्ते हैल्थ डिपार्टमैन्ट के डायरैक्टर दो रोज वहां पर ठहर कर आए हैं। जहां तक जगह का सवाल हैं इस बारे में यह निर्णय लिया गया है कि साथ साथ पांच मजिल की बिल्डिंग की कंस्ट्र ान का काम चलता रहे और साथ ही पहले वाले हस्पताल की बिल्डिंग में भी काम न रूके ताकि मरीजों की देख–भाल भी होती रहें। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं फाजिल मैम्बर साहब को यह भी बताना चाहता हूं कि हमने सिर्फ पांच मंजिल की बिल्डिंग बनाने का ही निर्णय नही लिया बल्कि मुख्य मंत्री जी यह भी ध्यान में रखे हुएं है कि करनाल का हस्पताल 200 बैड की बजाय 300 बैड का बनाएं।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने मंत्री जी से यह पूछा है कि इस साल उस

हस्पताल की बिल्डिंग की कंस्ट्रक ान का काम भुरू करेंगे या नही?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, यह फैसला हो चुका हैं। ऐसी कोई बात नहीं हैं। उस हस्पताल की बिल्डिंग की कंस्ट्रक ान का काम इसी साल के अन्दर भुरू हो जाएगा।

Lining of Sikanderpur Minor

***2657. Captain Mange Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government ot line Sikenderpur Minor Channel of Jhajjar Sub Branch; and

(b) if reply to part (a) above be affirmative the time by which the lining of the said minor is likely to be completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह)

(ए)व(बी) सिकन्दरपुर माईनर को वि व बैंक परियोजना (नहरो का नवीनकरण) के दूसरें चरण में पक्का किया जाना प्रस्तावित हैं और साल 1983–84 के कार्य समय में पुर्ण होने की संभावना है।

श्री अध्यक्षः वर्किंग सीजन क्या होता हैं क्या कोई नान वर्किंग सीजन भी होता हैं।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, कई दफा नहर चल रही होती है तो वर्किंग बन्द होता है। पर्टीकुलर टाईम में काम होता हैं बाकी टाईम मे काम नही होता।

कैप्टन मांगे रामः स्पीकर साहब, मेरा सवाल था कि क्या सिकंदरपुर माईनर का पक्का करने का कोई विचार है तो मंत्री जी ने उसका जवाब दिया है कि– "The Sikanderpur Minor is scheduled to be lined in the 2nd Phase of the World Bank project for Modernisation of Canals and is likely to be completed in the working season of 1983-84" स्पीकर साहब, सिकंदरपुर माइनर नेहरू कालेज झज्जर से सिकंदरपुर तक सिर्फ दो मील का टुकड़ा है और इस दो मील के टुकड़े मे झज्जर, वजीदपुर, भोखपुरा, बीड़सुनारवाला और सिलानी गावों के खेत आते हैं। इस माइनर में सीपेज होन के कारण इन गांवो के 20–30 खेत बिल्कूल कल्लर हो चुके हैं और इन खेतों में से ज्यादातर खेत बीड़सुनारवाला गांव के हैं। यह एक खारी बैल्ट है उसमें ट्यूबवैल्ज भी नही लग सकतें हैं। मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इस माइनर को फर्स्ट फेज में पक्का कर दिया जाए क्योकि यह इतना बड़ा प्रोजैक्ट भी नही हैं। क्या मंत्री जी इस माइनर का फर्स्ट फेज में पक्का करने कि लिए इसको जल्दी से जल्दी टेक–अप करेंगें?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस बारे में डिपार्टमैन्ट से विचार करूंगा यदि कोई डिफिकल्टी नही होगी तो जरूर इस काम को पूरा करने की कोि ा ा करेंगें।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, चैनल्ज और कैनाल्ज की लाईनिंग के बावजूद भी सीपेज बहुत ज्यादा हैं। जो पंडित जवाहर लाल नेहरू और दिल्ली ब्रांच हैं उनमें सीपेज की बहुत ज्यादा प्रोब्लम पैदा हो रही हैं। मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी उस सीपेज की प्रोब्लम को दूर करने के लिए कोई कदम उठाऐगे? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि इन कैनाल्ज से जो सिचाई होती हैं क्या उनके आउट लैटस क साइज को बढाऐगें?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, इरीगे ान में दो बाते होती हैं। एक तो कमांड एरिया होता है कि आउट लेटस से कितना एरियां कमांड हुआ हैं और दूसरे एक्चुअली कितना एरीया इरीगेट होता हैं। ये दो बाते होती हैं। जैसे एक आउटलैट पर 300 एकड़ एरिया आ गया है है लैकिन एक्चुयली 200 एकड़ एरिया इरीगेट हुआ तो रजबाहे को पक्का करने से जितना एरिया कम एरीगेट होता है उसकी कमी पुरी हो जाती हैं। इसलिए आउट लैटस का साइज बढाने की कोंई बात नही है।

श्री अध्यक्षः चौधरी रिजक राम जी का सवाल तो यह था कि जो केनाल्ज की लाइनिंग हो रही हैं उनमे सीपेज बहुत ज्यादा हो रही है उसका कोई प्रबन्ध किया जाऐगा या नही।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, कुछ जगहों से यह बात हमारे नोटिस में आई हैं कि सीपेज होती है लेकिन बहुत ज्यादा सीपेज वाली बात गलत हैं। जहां कहीं से भी यह ि ाकायत आई हैं कि सीपेज हो रही है उसको हम इनवैस्टीगेट कर रहें हैं। जहां–जहां सीपेज हो रही है उसका प्रबन्ध करने की कोि ा ा करेंगे। हम इस बारे में पूरा एक ान ले रहे है।

श्री अध्यक्षः मै सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाऊंगा कि कैनाल्ज की लाईनिंग पर करोडो़ रूपया खर्च किया जा रहा है इसलिए कोई गुनजाइस नही होनी चाहिए कि फिर भी सिपेज हो।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, जहां–जहां भी लाइनिग का काम हो रहा है वहां पर मैने खुद मौके पर जा कर देखा हैं और मुआयना भी करके आया हूं। कुछ जगहो से सीपेज की ि ाकायतें मैरे ध्यान में आई थी। ऐसी कोई बात नही है कि बहुत ज्यादा सीपेज हो रही हैं इस बारे में हम इन्वैस्टीगेट कर रहे है ओर पूरा एक ान ले रहे हैं।

चोधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने फरमाया कि कही कहीं से सीपेज की ि ाकायतें आई और ज्यादा सीपेज नही है। स्पीकर साहब, पंडित जवाहर लाल नेहरू कैनाल

और दिल्ली ब्रांच कैनाल के साथ साथ लगती हुई जमीन के तीन तीन एकड़ में एक एक डेढ–डेढ फुट पानी खडा हैं। यही नही बल्कि उस जमीन में से पानी धार बांध कर चलने लग रहा हैं ओर हर रोज पानी बढता ही जा रहा हैं, इतनी वाटर लोगिंग हो रही हैं। मै मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी एक या दो हफ्ते में पडिंत जवाहर लाल नेहरू कनाल और दिल्ली ब्रांच का मुआयना करेंगे ताकि इनको पता लग सके कि यहां पर सीपेज की कितनी प्रोब्लम है?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, जिस जिस जगह से मेरे पास सीपेज के बारें में ि ाकायतें आई हैं मैने उनको मोके पर जा कर देखा हैं और चौधरी रिजक राम जी ने जिस पानी की धार के बारे मे कहा हैं वह भी देखा मैने देखी हैं। यह ठीक है कि जे0एल0एन0 कैनाल में सीपेज की स्थिती ठीक नही हैं। जिस समय यह कैनाल बनाई गई थी उस समय भी इस जगह पर वाटर लोगिंग थी। उस समय पास से मिट्टी नही ले सके, दूर–दूर से मिट्टी ला कर यह कैनाल बनाई गई थी। वहां पर जमीन कले और कंकरीली हैं इसलिए वह जमीन ज्यादा पानी जजब नही कर सकती जिसके कारण पानी खड़ा हो जाता हैं। वहा पर सीपेज की रोकथाम के लिए हम डिच ड्रेन बना रहे हैं और ट्यूबवैल लगाने की भी सोच रहें है। वाटर लोगिंग के हिसाब से रोहतक की स्थिती पहले से अच्छी है। सरकार इसके लिए पूरी जागरूक है।

श्री भलेरामः स्पीकर साहब, बहुत सारी नहरें और खाल पक्के किए जा रहे हैं, लेकिन कहीं पर भी मवे ियों के पानी पीने के लिए काई घाअ नही हैं। इसलिए मै मंत्री जी से ये जानना चाहता हूं कि क्या उनमे घाट बनाये जाऐंगे?

सरदार तार सिंहः स्पीकर साहब, जहां–जहां पर लोगो ने घाट बनाने के लिए कहा है, वहां पर बनाये गए हैं।

चौधरी अजीत सिंहः क्या सिकन्दरपुर माईनर को वर्श 1983 के अन्त तक पुरा करवा दिया जाऐगा?

सरदार तारा सिंहः हम पूरी–पूरी को ि ा ा करेंगे।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, जहां–जहां पर नहरों और माइनरो को पक्का करने का काम हो रहा हैं, उनमें पूरा सीमेंट और अच्छी ईंटे नही लगाई जा रही हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि जो आधिकारों या कर्मचारी इस मामले में हेराफेरी करते हैं, क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही करेंगे? क्या बात की जांच के लिए कोई कमेंटी बनाइ जाएगीं?

सरदार तारा सिंहः यह सप्लीमेंटरी इस सवाल से संबंधित नही हैं। जहां तक कमेटी बनाने की बात कही गई है, हमने पहले ही जहां–जहां काम भाुरू हुआ हैं कमेटियां बना रखी हैं। जहां पर काम हो रहा हैं उस गांव का सरपंच, नम्बरदार और जिसके खेत में काम हो रहा है वह किसान उस कमेटी का मैम्बर होता हैं। जिस आदमी के खेत में काम हो रहा हैं, वह यह देख

सकता हैं कि आया हुआ सीमेन्ट ठीक अनुपात से लगा है या नही या कहीं ईटे पीली तो नही लगी हुई? यदि संबंधित किसान मैटिरियल ठीक न समझे तो ि ाकायत कर सकता हैं और उस काम को बन्द करवा सकता हैं।

Railway Line in Mevat Area

***2664. Swami Aditya Vesh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any correspondence has been exchanged with the Railway Ministry, Governemtn of India for laying a railway line in the Mewat area; and

(b) if so, the date on which such correspondence was initiated by the State Government together with the details of reply, if any received from the Railway Ministry\

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां

(ख) यह मामला रेलवे अधिकारियों के साथ 05—06—1980 को पहली बार उठाया गया था। इसके प चात मुख्य मंत्री ने दो बार 30—07—1980 तथा 08—04—1981 को रेलवे मंत्री को इस बारे मे लिखा। रेलवे मंत्री ने सूचित किया कि मेवात क्षेत्र मे रेलवे लाईन बिछाने के मामले को विचारा जाऐगा।

स्वामी आदित्य वे ा: अभी मुख्य मंत्री महोदय ने बताया है कि यह मामला भारत सरकार के विचाराधीन हैं इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि यह काम कब तह कार्यन्वित हो जाऐंगा?

चौधरी भजन लाल: रेलवे अधिकारीयों ने हमे बताया हैं कि हम इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रहे हैं। मै एक बात और बताना चाहता हूं कि भारत सरकार की तरफ से रेलवे की एक कमेटी हरियाणा में आई थी। इस कमेटी के साथ हमारी काफी लम्बी चौड़ी डिस्क ान भी हुई थी। उन्होने हमे पूरा आ वासन दिलाया है कि हम इस मामले पर पूरा ध्यान देगें। हमें पूरा भरोसा है कि इस को निर्णय भीघ्र ही हो जाऐगा।

कामरेड भाकर लाल: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जनता सरकार के समय जाखल, फतेहाबाद, सिरसा और ऐलनाबाद से एक लम्बी रेलवे लाईन निकालने का प्रस्ताव था। इस संबंध मे, मैने बाद मे भी चिट्ठी भेजी थी। क्या इस बारे में सरकार ने रेलवे विभाग से कोई लिखा पढी हो रही हैं।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, हमने भारत सरकार को पांच रेलवे लाईन बिछाने के लिए अनुरोध किया हैं। वे पांच लाईने मैं आपको अभी बता देता हूं। पहली रेलवे लाईन आदमपुर, फतेहाबाद, रतिया और जाखल से हैं। दूसरी रेलवे लाईन चण्डीगढ, पंचकूलां, यमुनानगर और जगाधरी की हैं। तीसरी रेलवे

लाईन पलवल, सोहना, रिवाडी और रोहतक की हैं। चौथी रेलवे लाईन पलवल, बल्लभगढ़, सोहना, फिरोजपुर झिरका की बीच की है और पांचवी रेलवे लाईन सफीदों और करनाल के बीच की है।

श्री अध्यक्षः मै मैम्बर साहेबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे मेवात क्षैत्र के बारे मे ही सवाल पूछे दूसरे किसी क्षैत्र के बारे में सवाल न पूछें क्योकि इस तरह तो सवालो का कोई अन्त नही होगा। वैसे मुख्यमंत्री जी ने पहले ही काफी विस्तार से जवाब दे दिया हैं।

चोधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदयख हमें बड़ी खु ाी है कि मेवात क्षैत्र को रेलवे लाईन से जोड़ा जा रहा हैं। लेकिन मुख्य मंत्री जी से रिकवैस्ट करूंगा कि इस क्षेत्र को किसी बडी़ लाईन से जोड़ा जाये क्योंकि छोटी लाईन से जोड़ने को कोई फायदा नही होगां।

चौधरी भजन लालः हमने उनको पहले ही बड़ी लाईन के लिए लिखा हैं।

10.00 बजे

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै आपको म कूर हूं क्योकि आपने मुझे सवाल पूछने का मोका दिया है। आपने बार बार कहा कि सवाल मेवात के बारे में ही होना चाहिए लेकिन स्पीकर साहब, जब उनकी तरफ से जवाब दूसरी जगहों के बारे में

भी आया हैं तो रूल्ज के मुताबिक उनके बारे में भी सवाल पूछने की इजाजत होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः उन्होने तो वौनैटेरिली ऐसा किया हैं।

डा0 मंगल सैनः हम भी सर कोई ऐसी बात नही पूछेगे जो इसके सफीयर से बाहर हो

श्री अध्यक्षः सवाल पूछने में तो कोई हर्ज नही क्योकि मुख्य मंत्री जी काफी तैयारी करके आए हैं लेकिन लिस्ट पर बाकी सवाल भी तो है। यह सवाल पहले ही पन्द्रह मिनट ले चुका हैं

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि रिवाडी–झज्जर–रोहतक रेलवे लाईन की क्या पोजि ान हैं।

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया हैं कि भारत सरकार के साथ इन रेलवे लाईनों के बारे में लिखा–पढी हो रही है कि रेलवे लाईनें हरियाणा प्रान्त में बननी निहायत ही जरूरी हैं क्योकि इस एरियां में और कोई रेलवे लाईन नही हैं। भारत सरकार की 10–01–1982 को यानी आज से लगभग तीन महीने पहले एक कमेटी यहां आई थी और सारे प्वायंटस पर हमने उनसे डिसक ान किया हैं। उन्होने सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आ वासन दिलाया हैं और मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वे इनमें से ज्यादा नही तो एक दो रेलवे लाईन्ज तो जरूर मंजूर करेंगे। वैसे मै इस संबंध में

कोई आ वासन नही दिला सकता क्योंकि यह भारत सरकार को मामला हैं।

चौधरी उदय सिंह दलालः मैने लिखा था कि आप रेवाड़ी–झज्जर–रोहतक रेलवे लाईन को कब तक बना रहे हो? उन्होने मुझे लिखा है कि जब तक हरियाणा सरकार उसके सर्वे के लिए रूपया जमा नही कराऐगी तब तक हम उसका सर्वे नही करवाएंगे। क्या मुख्य मंत्री जी बताऐगें कि इन्होने कौन–कौन सी रेलवे लाईन्ज के सर्वे के भारत सरकार को पैसा दे दिया हैं।

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 5 रेलवे लाइन्ज बनाने के लिए हमने भारत सरकार को लिखा हैं। ज्यों ही उनसे हमें चिट्ठी आऐगी कि फलां रेलवे लाइन को सर्वे करवाने के लिए पैसा जमा कराओ, हम फोरन पैसे जमा करवा देंगे।

चौधरी उदय सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै उस लैटर का कापी इनको भिजवा दूंगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप उस चिट्ठी की कापी मुख्य मंत्री जी को भेज दिजिए ये उस पर आव यक कार्यवाही कर लेंगें।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, जगाधरी से पांवटा वाया छछरौली और ताजेवाला आदि जगहों से गुजरने वाली रेलवे लाईन मन्जूर हो चुकी हैं। क्या उसे ये सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट से बात करके जल्दी से बनवाने की कृपा करेंगें?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं इसका जवाब पहले दे चुका हूं जो भी रेलवे लाइन्ज मैने बताई है उसके बारे में सरकार ने डिटेल्ड डिस्क ान की हैं। ज्यों ही उनकी चिट्ठी आएगीं कि फलां लाईन का सर्वे करवाने के लिए पैसा जमा करवाया जाए, हम पैसा जमा करवा देंगें।

Bus service between Sirsa and Chandigarh/Jaipur/Dehradun

***2685. Chaudhri Jagidhs Kumar Beniwal:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is anyproposal under consideration of the Government to introduce a bus service between Sirsa and Chandigarh via Ratia and Patran: between sirsa and Jaipur; and between Sirsa and dehradun, during the financial year 1982-83; if so, the time by which buses are likely to start plying to start plying on the above said routesa?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): जी नही।

चौधरी जगदी ा कुमार बैनीवालः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि सिरसा–दिल्ली नया बस रूट, सिरसा–डिपो को दिया जाऐगा?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रान्त की बसें राजस्थान, मध्यप्रदे ा, यू0पी0, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदे ा, जम्मू–क मीर और चण्ड़ीगढ में चलती हैं। इन स्टेट्स के साथ हमे ऐग्रीमैन्ट करना पड़ता हैं उनके एरिया में इतने माईलैज के

लिए हमारी बसें चलेंगी और इतने माईलेज के लिए हमारे एरिया में उनकी बसें चलेंगीं। यह एग्रीमैन्ट ऊपर के लैवल पर होता हैं। इन्होने पूछा है कि सिरसा और जयपुर मे मध्य और सिरसा तथा देहरादून के मध्य कोई बस सेवा चलाने का कोई प्रस्ताव है? इसके लिए मेरा निवेदन हैं कि जब कभी इन स्टेट्स के सा ऐग्रीमैंट करने की बात होगी उस समय इस को कंसीउर करने की बात देखेगें।

श्री अध्यक्षः दूसरी स्टेट्स की बात तो ठीक है लेकिन डिस्ट्रिक्ट हैडक्वाटर से चण्डीगढ़ के लिए तो डायरैक्ट बस सर्विस होनी चाहिए।

श्री जगननाथः वह तो है।

चौधरी कर्म सिंहः स्पीकर साहब, पहले फतेहाबाद से चण्डीगढ़ वाया रतिया, टोहाना, पातड़ा और पटियाला एक बस चलती थी लेकिन 26–01–1981 से वह बन्द हो गई हैं। क्या मंत्री जी का उस बस को दबारा चलाने का विचार है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, पंजाब का और हमारा डिसप्यूट चल रहा हैं। वे कहतें हैं कि हमारा ज्यादा माइलेज चल रहा है और हम कहते हैं कि उनका ज्यादा माइलेज चल रहा हैं। वह वजह से वह बस बन्द करनी पड़ी हैं। सैक्टरी और कमि नर लेवल पर बातचीत चल रही हैं कि कौन से रूटस पर हमारी बसें

चलेगी और कौन से रूटस पर उनकी बसें चलेंगी। फैसला होने के बाद ही इस बारे मे सोचा जा सकता हैं।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, मै इस सवाल को जरा क्लीयर कर दूं ताकि मंत्री महोदय को जवाब देने में आसानी हो जाए। सिरसा ऐसी जगह पर स्थित है कि वहां से अगर मानसा होकर, जो पंजाब में पड़ता हैं, चण्डीगढ़ आया जाए तो दो घण्टे कम समय लगता हैं और हरियाणा के एरिया यानी नरवाना और अम्बाला से होकर आया जाए तो दो घण्टे ज्यादा समय लगता हैं। इस फर्क को मिटाने के लिए मैने पंजाब के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर जो कि मेरे पड़ोसी हैं, से बात की है और वे वहां से बस चलाने के लिए मान जाऐंगे। मुख्य मंत्री जी की तरफ से भी उनको इस बारे में एक नोट गया हैं। क्या मंत्री महोदय पुनः इस मामले को पंजाब सरकार से टेक अप करेंगे ताकि दो घण्टे को समय बचाने के लिए सिरसा से मानसा होकर चण्डीगढ़ को बस सर्विस चलाई जा सके?

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि यह सवाल बहुत अच्छा हैं।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, बसें चलाते दफा लोगों के हित की बात तथा स्टेट के रैवेन्यू की बात दोनो ही देखी जाती हैं। अगर हम अपने ही एरियां से गस चलाते हैं जो वह सारे का सारा टैक्स अपनी सरकार को ही आता हैं। फिर भी हम उनसे

बातचीत करेंगें। (विघ्न) यह बात ठीक है कि वहां से बस चलाने से लोगों का समय भी बचता हैं और पैसे भी बचते हैं। हम आने वाली मीटिंग में इस बात पर जरूर गौर करेंगें।

श्री अध्यक्षः मै मत्री जी की बात से सहमत हूं कि ट्रांसपोर्ट हरियाणा का कमर्शियल वैन्चर है लेकिन एक वैलफेयर स्टेट में जहां पब्लिक के दो घण्टे के समय की बचत होती हों और पैसे की बचत होती हों वहां केवल कमर्शियल लाइन्ज पर ही वे न सोचें बल्कि लोगों के फायदे की तरफ भी ध्यान दें।

श्री जगन नाथः अगर पंजाब वाले न माने तब तो ऐसा करना मुश्किल है लेकिन यदि वे मान गये तो ऐसा जरूर करेंगे।

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, पहले कौसली से चण्डीगढ़ एक बस चला करती थी लेकिन अब बन्द हो गई है। क्या मंत्री जी उसका दोबारा चलाने की कृपा करेंगे?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, यह तो अपने एरिया की बात है इसलिए इसे हम जरूर चलाएंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री जी बताएगें कि इसरवाल से आदमपुर के लिए कोई बस चलेगी?

श्री जगन नाथः हम बस भी चलाएंगे और तुम्हे रेल पर भी बिठाएगें। (हंसी)

राव बंसी सिंहः स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ जिले मे पांच किलोमीटर की या इससे अधिक फासले की जो सडकें बनी हुई हे उन पर कोई बस नही चल रही हैं। क्या मंत्री जी का उन सड़कों पर कोई बस चलाने का इरादा हैं? अगर नही हो कब तक चलाएंगे और अगर नही हैं जो क्या वहां के लोगो को टैम्पो वगैरह चलाने की इजाजत देंगें?

श्री जगन नाथः मैने कल भी यह कहा था कि इस वर्श के अन्त तक हम 2800 बसें चला पाऐंगें जबकि मांग 5603 बसों की हैं। इसलिए अभी हर सड़क पर बस नही चल सकती। हां, टैम्पो वगैरह के लिए जितने परमिट यें लेना चाहें, देने के लिए हम तैयार हैं।

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, परिवहन मंत्री जी ने इस बात को माना है कि सिरसा से चण्डीगढ़ वाया मानसा का रूट भौटैस्ट है उससे लोगो का खर्चा भी मे पड़ता हैं और समय की बचत होती हैं, क्या मन्त्री महोदय इस थोड़े डिस्प्यूट को पंजाब के साथ जल्दी निपटाने का प्रयत्न करेंगें।

श्री अध्यक्षः इस सवाल को जवाब आ चुका हैं।

चौधरी जगदी ा कुमार बैनीवालः स्पीकर साहब, चण्डीगढ़ से सिरसा के लिए प्रातः 6.50 बजे पर बस चलती हैं। इस बस के बाद कोई भी बस वाया पंजाब नही जाती है। क्या

मंत्री महोदय चण्डीगढ़ से सिरसा के लिए वाया पातडा, फतेहाबाद और रतिया दूसरी बस दोपहर के टाईम मे चलाएगें?

श्री अध्यक्षः इस सवाल को जवाब दिया जा चुका हैं। पंजाब के साथ डिसप्यूट चल रहा हैं पहले समाधान की बात कर रहें हैं, उसके बाद ही बस चलाने के बारे में विचार किया जाएगा।

चौधरी उदय पाल सिंह दलालः स्पीकर साहब, बहुत ही म ाहूर जगह हैं। कैप्टन मांगे राम, राव राम नारायण और मैरे जैसे एम0एल0ए इसी तहसील से सम्बन्ध रखते हैं। दूसरे यह सब–डिवीजन भी हैं। पहले झज्जर से चण्डीगढ़ के लिए जो बस चलती थी अब वह बन्द हो गई हैं। क्या दोबार झज्जर से चण्डीगढ़ के लिए बस चलाने के सरकार विचार करेंगी?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, रेवाडी से झज्जर हो कर बस चलती है लेकिन फिर भी झज्जर के विशय में गौर किया जा सकता हैं।

Payment of Discretionary grant to Grant Panchayat

***2714. Rao Ram Narain:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether it is a fact that a grant of Rs.5000/- was sanctioned out of his discretionary fund to be paid by 11th July 1981 to Gram Panchayat Bhurthala in Sahlawas Constituency for the construction of School building; and

(b) if so, whether the paymant of the said amount of grant has been made to the Gram Panchayat Bhurthala ; if not, the reasong therefor together with the action, if any taken against the defaulting official?

विकास मंत्री (राव दलीप सिंह):

(क) ऐसा कोई भी ऐच्दिदक अनुदान 11—07—1981 का किया गया था, फिर भी, ऐसा अनुदान 11—07—1980 का किया गया था।

(ख) 5000 रूपये को एच्छिक अनुदान ग्राम पंचायत भूरथला को 28—10—1980 को दिया गया था और इसका प्रयोग हो चुका हैं।

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, मुझे बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि मन्त्री महोदय हाउस मे * * * * * बोल रहे हैं।

Mr. Speaker: I would request the Hon. Member not to use such strong laguage.

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, इस ग्रान्ट के बारे में मैने चीफ मिनिस्टर साहब को पांच डी0 औ0 लिखे हैं। वे जरूरू उनके दफतर में गये हैं। यह जो यूटेलाईजे ान की तारीख बतला रहें हैं, यह सन 1979 की ग्रान्ट हो सकती हैं जब मै मिनिस्टर था। हो सकता है कि सन् 1980 की ग्रान्ट पहुंची ही न हो और उसके पेपर डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर तक ही गये हों, आगे न गये हों।

राव दलीप सिंह: आदरणीय मैम्बर ने जो लफज कहें हैं, ये अन–पार्लियामेंटरी हैं। इसके अलावा जो मैंने 28–10–1980 की तारीख दी हैं, इस तारीख को भूरथला पंचायत के अकाउन्ट में पैसा जमा हो गया हैं। हमारे पास डी0सी0 से यूटेलाईजै ान सर्टिफिकेट अटैस्ट हो कर आया हैं। I will send a copy to the hon. Member and will also convince him.

Notary Public in the State

***2733. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Home Minister be pleased to state-

(a) the district-wise number and names of Notary Public in the State together with the number of persons out of them who are Harijans, or belonging to backward classes or are ex-army personnel separately; and

(b) whether the post of Notary Public falls in the definition of the "Office of Profit"?

गृह मंत्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल):

(क) राज्य में नोटरी पब्लिक के कुल 30 पद हैं। 25 पदों पर नियक्ति राज्य सरकार द्वारा की जाती हैं और भोश 5 पदों पर नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती हैं। नोटरी पब्लिक के 9 पद खाली हैं, उन में से 5 पद राज्य कोटा के और 4 पद भारत सरकार के कोटा के है। राज्य में नोटरी पब्लिक के सम्बन्ध में जिलावार जानकारी का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता

हैं। सरकार की आरक्षण नीति नोटरी पब्लिक नियुक्त करने पर लागू नही होती और इस समय अनुसूचित जाति/पिछडी जाति/भूतपूर्व सैनिकों का कोई भी व्यक्ति नोटरी–पब्लिक के रूप में काम नही कर रहा हैं

(ख) जी, नहीं।

विवरण

जिला	नोटरी पब्लिक की संख्या	नोटरी पब्लिक का नाम	ऐसे नोटरी पब्लिक की संख्या जो हरिजन है या पिछडी जातियों या भूतपर्व सैनिकों से सम्बन्ध रखते हैं	वि ोश कथन
1	2	3	4	5
अम्बाला	3	1. श्री बी0 बी0	सामान्य	श्री बी0 बी0 गुप्ता

		गुप्ता	प्रवर्ग	को भारत सरकार के 5 पदों के कोटे के प्रति नोटरी पब्लिक नियुक्त किया गया है।
		2. श्री अवतार सिंह कोहली		
		3. श्री वी0बी0आर0एस0 कोि ा ा		
भिवानी	2	1. श्री वेंकटे ा आयार्य	–यथोपरि–	
		2. श्री महिपाल सिंह	–यथोपरि–	
फरीदाबाद	2	1. श्री पी0एन0 गुलाटी		

		2. रिक्त एक पद		
गुड़गाव	2	1. श्री मनोहर लाल जैन		
		2 श्री मदन लाल का चुनाव बतौर नोटरी पब्लिक हो चुका है परन्तु कुछ औपचारिकताएं सम्पन्न होनी भोश हैं।		
हिसार	1	1. श्री के ाो दास मनूजा	जामान्य प्रवर्ग	
जीन्द	3	1. श्री भाम ोर जंग राणा	–यथोपरि–	
		2. श्री दे ाराज पूनियां	–यथोपरि–	
		3. श्री औम प्रका ा नैयन	–यथोपरि–	
करनाल	2	1. श्री दलीप सिंह	–यथोपरि–	

		विर्क		
		2. रिक्त एक पद		
कुरूक्षैत्र	3	1. श्री हेमचन्द गुप्ता	–यथोपरि–	
		2 रिक्त		
		3. रिक्त		
महेन्द्रगढ	2	1. श्री ओ0पी0 जैन	–यथोपरि–	
		2. रिक्त एम पद		
रोहतक	2	1. श्री केसरी लाल जैन	–यथोपरि–	
		2. श्री रामफल गुप्ता	–यथोपरि–	
सिरसा	2	1. श्री ि ाव नारायण	–यथोपरि–	
		2. श्री महाबीर प्रसाद	–यथोपरि–	
सोनीपत	2	1. श्री राजेन्द्र सिंह	–यथोपरि–	
		2. श्री प्रेम चन्द मलिक का चुनाव		

		बतौर नौटरी पब्लिक हो चुका है परन्तु कुछ औपारयरिकताऐं सम्पन्न होनी भोश हैं		

टिप्पणीः– ऊपर रिक्त स्थान जो द र्ाये गये हैं वे राज्य सरकार के कोटा के हैं।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः क्या मन्त्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि नोटरी पब्लिक अप्वायंट करने का क्या क्राइटेरिया हैं। हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोग क्यो नही लगाये।, क्या वे लोग अवेलेबल नही थे?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः सर, रिजर्वे ान कोटे में गवर्नमैंट सर्वेन्ट आतें हैं। हमारे आफिस से उन्हे कुछ नही मिलता हैं। ये गवर्नमैंट सर्वेन्ट की कैटेगरी मे नही आतें हैं इसलिए रिजर्वे ान पालिसी इन पर एप्लाई नही होती। ये गवर्नमैन्ट आफ इडिया के एक्ट के तहत अप्वायंट होते हैं। जो लीगल प्रेक्टी ानर दस साल की प्रैक्टिस पूरी कर लेते हैं, उन्हे ही इन पदों पर अप्वायंट करते हैं।

Mr. Speaker: What is the duration of these appointments?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः एक साल, दो साल और पांच साल तक हो सकती है लेकिन नार्मली दो साल होती है।

डा0 मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि जो पांच पोस्टे केन्द्रीय कोटे मे खाली पड़ी हैं उनको भरने के लिए सरकार ने क्या कदम उठायें हैं।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः हम उन्हे इन्फार्म करते हैं कि पोस्टस खाली हैं। अगर वे नाम मांगते हैं तो हम डिप्टी कमी ानर के थ्रू नाम भेज देते हैं।

चौधरी रिज़क रामः स्पीकर साहब, चौधरी प्रेम चन्द मलिक को नोटरी पब्लिक सिलैक्ट किया था। मिनिस्टर साहब ने स्टेटमैन्ट में लिखा है कि उनकी फार्मेलिटिज बाकी हैं मैं जानता हूं कि वे कब तक पूरी कर लेंगे?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः इस वक्त मेरे पास इनफर्मे ान नही हैं। अगर आप चाहते है तो मैं आपको बाद में बता दूंगा कि क्या पोजि ान हैं।

मास्टर ि ाव प्रसादः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया है कि इन पोस्टस में भी रिजर्वे ान नही है अगर अनुसूचित जाति के कोई योग्य व्यक्ति मिल जायें तो क्या उन्हे भी लगायेगें?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः मैने पहले ही कह रखा है कि अगर इन में से कोई होगा जो हम प्रैफैन्स देंगे।

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मै मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सरकार को क्या दिक्कत हैं जिस के कारण हरिजन कैन्डीडेटस नही मिलते हैं।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः हमें कोई दिक्कत नही। हम डिप्टी कमी नर से रिकमैन्डे ान्ज मांगतें हैं। अगर एक्स सर्विसमैन, बैकवर्ड और हरिजन मिलते हैं तो हम उन्हे प्रैफ्रेन्स देते हैं।

श्री अध्यक्षः यह अच्छी बात हैं कि अगर कोई हरिजन या एक्स सर्विसमैन क्वालिफाइड है तो सरकार उसे तरजीह देगी?

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने सवाल के भाग (क) के जवाब में यह बताया है कि नोटरी पब्लिक है कि नोटरी पब्लिक की कुल 30 पोस्टस में से 9 पद खाली पड़े हैं। इस का मतलब यह है कि लगभग एक तिहाई पद खाली पड़े हैं। मैं गृह मन्त्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि यह पद कब से खाली पड़े हैं और किस कारण खाली पड़ें हैं और किस कारण से अब तक भरे नही गये है। इनको भरने के लिए राज्य सरकार ने क्या कदम उठाये हैं।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, हमने इन पदो को भरने के लिये डिप्टी कमी नर्ज से नाम मांगे हुए हैं।

कुछ नाम आगें आ गये हैं और कुछ अभी आ रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमति सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, मैने यह पूछा हैं कि ये पद कब से खाली पडें है?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, इस वक्त मेरे पास यह इन्फर्मे ान नही हैं। इस सवाल में तो इन्होने यह पूछा नही हैं। इसलिये अगर माननीय सदस्या अलग से नोटिस देगी तो बता देंगें।

Smt. Sushma Swaraj: Sir he requires a separate notice for this question.

Mr. Speaker: I would request the Minister to kindly inform the position available with him (Interruptions and Noise).

श्रीमति सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, यह सवाल तो कम से कम रैलेवैन्ट है। मैने इनसे यह पूछा है कि यह पद कब से खाली पड़े हैं This information must be given to the house. (Interruption and Noise)

श्री अध्यक्षः इन्होने यह बताया है कि 30 में से 9 पोस्टे खाली पडी हैं। लेकिन इनके पास यह इन्फर्मे ान नोट फर पैड मे नही है कि इनमें से हरेक पोस्ट कब से खाली पड़ी हैं (व्यवधान व भाोर)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः सर, हमारे पास 5 पद खाली हैं और सैन्ट्रल गवर्नमैंट के हिस्से के 4 पद खाली पडें हैं।(व्यवधान व भाोर)

खाद्य तथा पूर्ति मन्त्री(श्री लछमन सिंह) * * * *

श्रीमति सुशमा स्वराजः कौंसिल आफ मिनिस्टर्ज की कोलैक्टिव रिस्पौंसिबिलिटी होती हैं। स्पीकर साहब, यहां पर आनरेबल मिनिस्टर सरदार लछमन सिंह जी बैठे हुए है। उन्होने यह कहा है कि यह पद 2 साल से खाली पड़े हुए हैं। Should I take it to be a correct information?

Mr. Speaker: No any cross talk is not to be recorded, अगर कोई आनरेबल मिनिस्टर खडा़ होकर स्टेटमैन्ट देगा जसे वह रिकार्ड होगी। (व्यवधान व भाोर)

राव बंसी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से गृह मन्त्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं कि यह जो नोटरी पब्लिक की पोस्टस भरी जाती हैं, इनके भरने को क्या क्राईटेरिया हैं? सम्बन्धित ऐप्लीकेन्ट को कितने साल की वकालत का एक्सपीरियैस होना चाहिए।

Mr. Speaker: This has already been answered. एक साल, दो साल या पांच साल के लिये वे अपवायंट होगे और उनकी मिनिम्म वकालत 10 साल की होनी चाहिए। (व्यवधान एव भाोर)

श्री वीनेन्द्र सिंहः सर, इनकी तो अप्वायंटमैंट एक किस्म से फार लाईफ होती हैं। हमारे यहां एक मिस्टर आहुंजा हैं, हिसार में वह लगभग 14 साल से नोटरी पब्लिक चला आ रहा हैं। (व्यवधान एव भाोर) For the last 14 years his term has never been renewed.

(इस प्र न का उतर नही दिया गयां)

चौधरी हरि चन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से गृह मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि नोटरी पब्लिक और औथ कमि नर्ज की अप्वायंटमैंटस के बारे में क्या सरकार ऐसा करने के लिये तैयार है कि जो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर बार एसोसिए ान हों, वह उनको लगाये।(व्यवधान एव भाोर) मैं यह जानना चाहता हूं कि बजाये इसके कि सरकार या मिनिस्टर या कोई और इनकी अप्वायंमैन्ट करें, जिले की जो बार–एसोसिए ान की एग्जैक्टिव बाडी हो, वही इनकी अप्वायंटमैन्ट कर दे। क्या सरकार इस बारे में सोचेगी?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, इस बारे मे तो गवर्नमैंट ओफ इडिंया का ऐक्ट हैं। उसके मुताबिक ही अप्वायंटमैन्ट होती हैं। इनकी अप्वायंटमैन्ट का तरीका चेंज करने के लिये तो गवर्नमैन्ट आफ इडिंया की कम्पीटैन्ट है, वह ही इसको बदल सकती हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने यह बताया हे कि नोटरी पब्लिक को फार लाईफ नही लगाते, बल्कि एक दो पांच साल के लिये लगाते है। मैं यह चाहता हूं कि अगर ऐसा करने के लिये किसी अमैन्डमैत्ट करने की जरूरत है तो वह रद्द की जाए। मन्त्री महोदय, यह भी बताने का कश्ट करें कि औथ कमि नर और नोटरी पब्लिक में अन्तर क्या हैं और वह कितने कितने पीरियड के लिये लगाये जातें हैं।(व्यवधान एव भाोर)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, after every year, or two years depending upon the situation. हम नोटरी पब्लिक की रिक्वैस्ट पर उसकी अपवायंटमैन्ट एक्सटैन्ड करते है।

श्री हीरा नन्द आर्यः वह तो आप औथ कमि नर की बात कर रहें हैं।

एक आवाजः आप एक्ट पढ दिजिए। (व्यवधान एव भाोर)

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त श्री हीरानन्द आर्य को कहने का यह अभिप्रायः है कि औथ कमि नर की जो अप्वायंटमैंट होती हैं वह चाहे साल के लिये हो, चाहे दो साल के हो, यह तो गवर्नमैंट की डिस्क्री ान पर डिपैन्ड करती है लेकिन नाटरी पब्लिक की जहां तक अप्वायंटमैंट का ताल्लुक हैं, इसके लिये कोई टर्म फिक्स नही है। औथ कमी नर अगर अपने कार्य के अन्दर कोई कोताही करता हैं तो उसको हटाया जा

सकता हैं। यह नही होना चाहिए कि उसको एक या दो साल की अपवायंटमैन्ट दी जानी चाहिये।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः औथ कमि नर्ज तो हाई कोर्ट अप्वायंट करती हैं।

श्री बलदेव तायलः मै इनकी बात को मानता हूं लेकिन नोटरी पब्लिक के लिये ऐसा होना चाहिये कि अगर तो उसके खिलाफ कोई ि ाकायत करता है कि यह काम ठीक प्रकार से नही कर रहां हैं, फिर तो उसको हटाया जा सकता है लेकिन 15–20 साल तक वह यों ही चलते रहते हैं। उसको वैसे ही हटाने का काई प्र न ही नही होना चाहिए। क्या सरकार इस और ध्यान दें गी?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, इस बारे में तो हमारी पोजी ान बिल्कूल साफ है कि हम दो साल के लिए नोटरी पब्लिक अप्वायंट करते हैं या 3 साल के लिये बनाते हैं लेकिन उसको एक्सटैं ान के लिये एप्लाई करना पडता हैं। उसकी एप्लीके ान बाकायदा सरकार के पास आत हैं, तब उसको एक्सटैं ान दी जाती हैं। इसका मतलब यह नही हैं कि नोटरी पब्लिक फार लाईफ अप्वायंट किया जाता हैं।

Shri Vernder Singh: Speaker Sahib he is mistaken. This position is for the Oath Commissioners.

Shri Kanhiya Lal Poswal: Notrary Public is never appointed for life, sir.

श्री बलदेव तायलः आप एक्ट पढ कर सुना दें कि नोटरी पब्लिक को एक्सटैन् ान के लिये एप्लाई करना पड़ता हैं।(ाोर एव व्यवधान)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः सर, हमारे पास बाकायदा केस आता हैं। हम उसको फिर एक्सटैन् ान देते है।

Shri Baldev Tayal: Sir Notary Public is only appointed.

Mr. Speaker: Though this was a side issue yet I would request the Home Minister to convince the very Knowledgeable advocat.

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने 9 पोस्ट वेकैन्ट बतायी हैं, इनके लिए इन्होने दरखास्तें मांगी हुई हैं। उन मे जो एक्स–सर्विसमैन या हरिजन लागे इनकी भार्तें पूरी करतें है क्या उनकी अप्वायंटमैन्ट करने के लिये तैंयार हैं?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः जी हां, बिल्कूल।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, गृह मन्त्री महोदय ने कहा है कि नोटरी पब्लिक कोई गवर्नमैन्ट सर्वेन्टस नही हैं लेकिन बैनीफीि ायरीज हैं। डिप्टी कमि ानर्ज की रिकमैडै ान ली जाती हैं कि नोटरी पब्लिक किस को लगाया जाए। क्या मन्त्री महोदय डिप्टी कमि ानर्ज को यह इंस्ट्रक ानज इ ू करेंगे कि

अगर उनके पास एक्स–सर्विसमैन या हरिजन लोग लोग अवेलेबल हों तो उनके नाम अव य ही भेजा करे?

श्री कन्हैया लाल पोसवाल: स्पीकर साहब, हम अब भी इन्सट्रक ाज भेज देगें कि इन कैटेगरीज के लोग अगर मिलें तो उनको जरूर रिकमैन्उ किया जाए।(ाोर एव व्यवधान)

कुछ आवाजें: ये हाउस को यकीन तो दिलाएं कि हरिजनो को और एक्स–सर्विसमैन को लिया जाऐगां।(ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अगर कोई हरिजन या एक्स–सर्विसमैन ऐप्लाई ही नही करेंगे तो कैसे अपवायंट करेगें?

मैम्बर साहेबान, क्वे चन आवर इज ओंवर।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर

Recruitment Centres in Mahendergarh District and Jhajjar Tehsil

***2740 Rao Bansi Singh:** Will the chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Haryana Government Proposes to approach or has already approached the Government of India to open a recuitment Centre in District Mahendergarh or in tehsil Jhajjar of District Rohtak for the recruitment of army personnel; and

(b) if so, the result thereof?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां। हरियाणा सरकार ने पहले ही भारत सरकार रक्षा मंत्रालय को जिला महेन्द्रगढ़ में भर्ती केन्द्र खोलने के लिए लिखा हुआ हैं। जिला रोहतक की तहसील झज्जर में फौजियों की भर्ती के लिए भर्ती केन्द्र खोलने के बारें में अभी ते कोई प्रस्ताव नही भेजा गया हैं।

(ख) भारत सरकार से अभी तक कोई उतर प्राप्त नही हुंआ हैं।

Re-employement for the Retrenched Adhoc Employees

***2844. Comrade Shankar Lal:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to re-employ such retrenched adhock employees as had completed 2 years of service; if so, the details thereof?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): जी नही।

Land for Potters

***2883. Shri Jai Narain Verma:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under considetation of the Government ot make available the earth to the Potters to be used for making earthenwares in the State; and

(b) if so, the district wise details of such tracts, if any, or are likely to be allocated for the aforesaid purpose?

विकास मन्त्री (राव दलीप सिंह):

(क) हां।

(ख) ऐसे गांव तथा भूमि का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा हैं जिसके पूर्ण होने पर इस कार्य के लिए कठिनाई वाले गावों मे भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

Construction of Bus Stand at Azim Garh, Guhla & Chika

***2896. Chaudhri Ishwar Singh:** Will the minister for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bus stand on the land of village Azim Garh in Haryana;

(b) whether there is any proposal to construct bus stand at Guhla and chika; if so, the time by which these are likely to be constructed; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to start bus service from

Guhla to Chandigarh via Patiala; if so, the time by which it is likely to be started?

परिवहन मन्त्री(श्री जगन नाथ):

(क) जी नही।

(ख) गुलहा से अलग से बस स्टैण्ड बनाने का कोई प्रस्ताव नही है। फिर भी चीका में एक बस स्टैण्ड बनाने का प्रस्ताव हैं, जिसके लिए भूमि का चयन अभी किया जाना हैं। इस समय यह बताना सम्भव नही कि इस बस स्टैण्ड का निर्माण कब तक पुर्ण हो जाएगा।

(ग) जी हां। इस समय यह नही बताया जा सकता कि गुलहा से चण्डीगढ़ वाया पटियाला बस सेवा कब भ्रारू होने की सम्भावना है, क्योकि यह मार्ग एक अन्तर्राज्यीय मार्ग है और इस मार्ग पर बस सेवा तभी भ्रारू हो सकेगी जब पंजाब राज्य के साथ अन्तर्राज्यीय समझौता सम्पन्न हो जाएगा।

Upgradation os Schools

***2914. Chaudhri Ajit Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state the number of Schools upgraded in Bhattu Kalan Constituency and Beri Constituency separately during the period from 24th October] 1980 to 1st March, 1982?

ि ाक्षा मन्त्री (चौधरी देसराज): वाछित सूचना निम्न प्रकार है:—

	प्राईमरी से मिडल स्तर	मिडल से उच्च स्तर
भट्टूकलां विधान सभा के क्षैत्र बेरी विधान सभ क्षैत्र	4	6
	1	2
	5	8

वर्श 1982–83 के लिए पब्लिक अकाटंस कमेटी तथा ऐस्टीमेटस कमेंटी के निर्वाचनों के नाम वापिस लेना।

Establishments Registered under the Shops act in the State

***2889. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state7

(a) the number of establishments registered under the Shops Act in the State at present; and

(b) the total number of labourers employe in the aforesaid establishments in the State?

आबकारी तथा काराधान मन्त्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) 1,17,870

(ख) 58,051

सचिव द्वारा घोशणा

पब्लिक अन्डरटेकिंगज कमेटी की वर्श 1981–82 के छठी रिपोर्ट पे ा करने सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः अब सचिव महोदय एक अनाऊंसमैंट करेंगे।

Secretary: Sir, I have to inform the House that the sixth report of the Commttee on Public Undertakings for the year 1981-82 on the general working of the Haryana Agro-Corporation Limited, Chandigarh, was presanted to the Hon'ble Speaker on the 31st March, 1982k by the Chairman of the Committee as the term of the Committee was to expire on the 31st March, 1982.

Hon'ble speaker has ordered for its printing and circulation after its presentationto the House because the same could not be got printed due to shortage of time.

Now, I lay a typed copy of the Sixth Report on the Table of the House.

वर्श 1982–83 के प्रबन्धक अकांउट्स कमेटी तथा एस्टीमेंट्स कमेटी के निर्वाचनों से नाम वापिस लेना।

श्री विरेन्द्र सिंहः इससे पहले कि मैं अपने मो ान के बारे में जिक्र करूं श्री भागी राम और श्री हीरा नन्द आर्य को कमेटीज से वापिस लेने की बात आई थी उस वक्त यह

ओब्जर्वे ान आया ळाा कि चूंकि वे यहां पर नही हैं इसलिए वे अपना नाम विदड्रा नही कर सकते। अब उनहोने लिखकर दे दिया हैं इसलिये मेरी आपसे प्रार्थना है कि हाउस की सैंस लेने के प चात श्री हरी नन्द आयै को अपना नाम पी0ए0सी0 से विदड्रा करने की परमी ान दी जाए।

श्री अध्यक्षः पब्लिक अकांउटस कमेटी और ऐस्टीमेटस कमेटी का इलैक ान होना था। चूकि श्री हीरा नन्द आर्य और श्री भागी राम ने अपने नाम विदड्रा कर लिये हैं। इसलिए अगर हाउस की सहमति हो जो उन को विदड्रा करने की इजाजत दे दी जाए।

आवाजें: ठीक हैं जी।

श्री अध्यक्षः ठीक हैं। अब इन दोनों कमेटीज की इलैक ान की जरूरत नही हैं।

एस0 वाई0 नहर की एलाइनमेंट

श्री वीनेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, 31—12—1981 को रावी ब्यास के पानी के बारे में एक ऐगीमैंट पर साइन हुए थे लेकिन उसकी कापी आज तक सदन में नही रखी गई और उसी के कारण नई नइ बातें जहर में आने लगी हैं। कल पंजाब में मुख्य मन्त्री सरदार दरबारा सिंह ने पंजाब विधान सभा में एक ब्यान दिया हैं और उस ब्यान के मुताबिक जो नहर खोदी जा रही हैं।

उसमें से केवल 2.7 एम0ए0एफ0 पानी हरियाणा को मिल सकेगां। (ाोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker: First of all, I would like to know unde which rule the Government is bound to place anything on the Table of the House that has been signed with the Central Government.

Shri Verender Singh: Speaker Sahab, the (Government) do not want to place it, that is why a doubt has arisen. स्पीकर साहब, कल पंजाब विधान सभा में सरदार दरबारा सिंह ने एक ब्यान दिया हैं जिसके मुताबिक केवल 2.7 एम0ए0एफ0 पानी हरियाणा को आ सकेगां . . . . . .

श्री अध्यक्षः इसके ऊपर मै पहले भी हाउस को रिक्वैस्ट कर चुका हूं कि पता नही क्या वजह हैं कि जो कुछ पंजाब के हाउस में कहा जाता हैं उसको तो मैम्बर साहेबान गौस्पल टरूथ मान लेते हैं और जो इस हाउस में कहा जाता हैं वह आटोमैटिकली गल्त समझा जाता हैं। इस हाउस मैं कैटेगोरिकल स्टेटमैंट मुख्य मन्त्री, कृशि मन्त्री और दो तीन दूसरें मन्त्रियों ने दिया हैं कि 3.5एम0ए0एफ0 पानी एग्रीमेंट के अनुसार हरियाणा को मिलेगां और स्टेटमैंट पर डाउट करने की कोई गुंजाइ ा नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमे अपना प्वायंट आप सदन के सामने रखने दिजिए। स्पीकर साहब, यह स्टेट मो इंट्रैस्ट हैं। मै नहर की एलाइनमैंट के बारे में कुछ नही कहूंगा। अखबार में जा बात आई, मैं वह पढ कर सुनाता हूं–

"The alignment of the proposed canal has not been finalised as yet. Its size would anable it to carry only 2.7 M.A.F.of water to Haryana as provided by the agreement.....

श्री अध्यक्षः बादल साहब, ने कहा है कि वह नहर इनती चौडी़ है कि 3.5एम0ए0एफ0 से ज्यादा पानी जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरैन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पंजाब मे चीफ मिनिस्टर कहते है कि केवल 2.7एम0ए0एफ0 पानी हरियाणा को मिलेगा और यह कहते है 3.5 एम0ए0एफ0 पानी के लिए एग्रीमैन्ट हुआ हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि 3.5एम0ए0एफ0 पानी किस नहर से आऐगां। स्पीकर साहब, इसलिए इस ऐग्रीमैन्ट को हाउस में पे ा नही किया जा रहा हैं। स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री ने केवल 2.7एम0ए0एफ0 पानी लेना मान लिया हैं। इन्होने तो हरियाणा के हित को बेच दिया है। मैं पुछना चाहता हू कि उस ऐग्रीमैन्ट को क्यो सीक्रिट रखा जा रहा हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, आपने अभी बजा तौर पर कहा कि बादल साहब ने इतनी चौडी़ नहर खुदेगी कि 3. 5एम0ए0एफ0 से ज्यादा पानी हरियाणा को मिलेगा। स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हूं कि बादल साहब तो नौन–औफि ियल मैम्बर हैं। हाउस के अन्दर पंजाब के चीफ मिनिस्टर ने जो कुछ कहा है

उसकें भी कुछ मायने हैं। स्पीकर साहब, आपकों याद होगा कि ज्यों ही .....(विघ्न)

श्री दीप चन्द भाटियाः स्पीकर साहब, मूल चन्द जैन बहुत पुरान मैम्बर है और अभी इन्होने यह कहा कि बादल साहब तो नौन–औफिि ायल मैम्बर हैं। स्पीकर साहब, मूल चन्द जैन भी नौन–औफिि ायल मैम्बर है।

श्री मूल चन्द भाटियाः स्पीकर साहब आपको याद ही होगा कि 31 दिसम्बर को इस एग्रीमैन्ट पर हमारे सी0एम0 और पंजाब के सिग्नेचर हुए और पहली तारीख को इस बारे में पेपर्ज में आया। उसी दिन हमें भाक हुआ कि हमें 3.5 एम0ए0एफ0 से कम पानी आएगाा। यह हमारी एग्रीहैन ान थी। पंजाब के मुख्यमन्त्री कह रहे हैं कि 2.7 एम0ए0एफ0 पानी हरियाणा को जाएगां। हमारी मुख्य मन्त्री कहतें हैं कि 3.5 एम0ए0एफ0 पानी हरियाणा को आएगा। हमको बताया जाये कि सही बात क्या है। इस बारे मैं हरियाणा के लोगों को त ावीस हैं। इसलिए असली बात जानना हमारी डियूटी हैं। यह मामला हमारा और ट्रेजरी बैंचिज को अलग नही हैं। स्पीकर साहब, जो सही बात है, उसको मुख्य मन्त्री को क्लैरीफाई करना चाहिए।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहता हूं . . . . . .

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैरी मौ ान के बारे में डिटेलड रिप्लाई आ जाए तो ठीक रहेगां।

श्री अध्यक्षः जब आपने एक प्वायंट रेज किया है तो उसका जवाब आ जाने दीजिए। Your Moion has not come to me uptill now. I have not seen it.

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर रहे हैं और बाबू मूल चन्द जैन बहुत पुराने लैजिस्लैटर हैं और मैम्बर पार्लियामैन्ट भी रहे हैं। हाउस में कोई बात कही जाए तो बड़ी जिम्मेदारी के साथ कही जानी चाहिए। मुझे इस का बड़ा खेद है चूंकि सारा प्रान्त आज आप लोंगों की तरफ देखता हैं। यहा पर हाउस को मिस लीड करना अच्छी बात नही हैं। अध्यक्ष महोदय, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। मैं यहां पर इन लोगो को और हरियाणा प्रान्त की जनता को यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा प्रान्त के हिस्से का जैसा कि फेसला हुआ हैं, 3.5 एम0ए0एफ0 पानी की एक बूंद भी कटने का सवाल ही पैदा नही होता। बाकायदा एग्रीमैन्ट में तीन चीफ मिनिस्टरों के हस्ताक्षर भी हैं और हमारे दे ा की आदरणीय नेता श्रीमति इन्दिरा गांधी जी के हस्ताक्षर भी साथ हैं। मैं आपके पास उसकी कापी भेज रहा हूं, आप लोग उसको पढ़ ले। ये कभी कही को जिकर करतें हैं कभी पंजाब के हाउस की कार्यवाही के बारे में यहा पर जिकर करते हैं? मैं यह कहना चाहता हूं कि ये जो कह रहे थे वह सरासर गलत और बेबुनियाद है, इस में काई

सदाकत ही नही हैं। हर प्रकार से हरियाणा प्रान्त के हकों की रक्षा की गयी हैं और की भी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, ये लोग अपने समय में तो कुछ कर नही पाए और अब जबकि हमने कुछ कर दिखाया है तो ये यहां पर भाोर मचा रहे हैं। हमारे दे ा की महान नेता प्राईम मिनिस्टर, श्रीमति इन्दिरा गांधी जी ने हमारे हरियाणा प्रान्त को एक नयी जिन्दगी दी हैं। जितना पानी हमें एग्रीमैन्ट के मुताबिक मिलना चाहिये, अगर उससे एक बूंद भी पानी कम मिला तो मैं हमे ाा के लिये पोलेटिक्स छोड़ दूगां। (तालियां)(ाोर एव व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, बजट पर बोलते हुए कुछ आरोप लगाये गये थे कि कालोनाईजे ान विभाग के जवायंट डायरैक्टर ने टोहाना के अन्दर रेजीडैं ाल प्लाटस की आक ान करते समय एक प्लाट की कीमत 50 हजार रूपये और दूसरा प्लाट, 1 लाख 56 हजार रूपये लगायी हैं। (ाोर एव व्यवधान) स्पीकर साहब, इस बारें में सरकार की तरफ से कोई जवाब नही मुझे मिलना चाहिये।(ाोर एव व्यवधान)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर लिखकर हमे दें और हम इस सारे मामले की जांख करवा लेगें। अगर किसी भी अधिकारी की इसमें कोई कोताही होगी तों उसे माफ नही किया जाएगा। (ाोर एव विघ्न)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह बात पहलें भी हाउस में आ चुकी है। जो बात हाउस में आ चुकी हो, उस बारे सरकार को जवाब देना ही चाहिये। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मै आनरेबल मैम्बर साहब से यह कहूंगा कि वे लिखकर मुझे भिजवा दें, मै उस लेटर को आगें फारवर्ड कर दूंगा। (ाोर एव व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह हरियाणा प्रान्त के इन्ट्रैस्ट का सवाल हैं कि किसी एक विभाग के ज्वायंट डायरैक्टर ने बोगस आक्सन दिखाकर के . . . .(ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सुरेन्द्र सिंह जी, आप मुझे इस बारे में लिखकर दें। मै बजट पर जो डिस्कसन हुई, उसको स्टडी करूगां अगर काई इस बात में लाकून होगा तो मैं अव य ही इस बारे मे सरकार को कहुंगा।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, घरोड़ा के अन्दर अनाज मण्डी बनी है और उसके बराबर में 11 एकड़ भूमि सरकार ने छोड़ दी है इस तरह वहां पर 5 लाख रूपये का घोटाला हुआ है, क्या कृशि मन्त्री महोदय बताएगें कि वहा पर 11 एकड़ भूमि छोड़ने का क्या कारण है?

श्री अध्यक्षः कामरेड भांकर लाल जी, आप मुझे इस बारे में लिख कर भेज दीजिए (ाोर)

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, वहां पर पी0यू0सी0 कमेटी भी गयी थी उनके मैम्बरों की नालेज मैं भी यह सारी बातें हैं। वहा पर 5 लाख रूपये को घोटाला हुआ हैं, इसलिये स्पश्ट करें कि सरकार ने वह जमीन छोड़ी है।

कृशि मन्त्री (श्री भाम ोर सिंह): स्पीकर साहब, यह जो बात कामरेड भांकर लाल जी ने कही हैं, यह सरासर गलत हैं। जब से मैने मन्त्रीपद संभाला हैं, कोई ऐसी जमीन सरकार ने नही छोडी हैं। पहले इस तरह की ि ाकायते हमारे नाटिस में नही लाई गयी हैं। आनरेबल मैम्बर मुझे इसकी पुरी डिटेल लिखकर दे दें कल को सै ान चलना हैं हम पूरी जानकारी प्राप्त करने के प चात यहां पर उस बारें में इनको तफसील के साथ बता देंगें।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह कितनी अनुचित बात है कि एक मैम्बर को तो यह कह दिया जाता हैं कि आप लिख कर दे दो, आपको जवाब मिल जाऐगा और उसी तरह से एक दूसरें मैम्बर ने क्लेरिफिके ान मांगी तो मिनिस्टर साहब ने उठकर जवाब दे दिया। लेकिन हमारी बात का जवाब नही दिया गया हें। .(ाोर एव व्यवधान) मैने भी सिर्फ क्लेरीफिके ान ही मांगी थी।

श्री अध्यक्षः मैने इनको कहा था कि आप लिखकर भिजवा दीजिए और आपको भी यही कहा था। अगर काई मन्त्री

बीच में खड़े होकर अपनी खु ाी से जवाब देना चाहे तो फिर इसमें मैं क्या कर सकता हूं। .(ाोर एव व्यवधान)

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, चार बच्चे कुंए मे गिर पडें थे और रघुबीर सिंह सिपाही न0 596 जिला पुलिस हिसार, ने उनको बचाते हुए अपनी जान भी खो दी थी और मुख्य मन्त्री महोदय ने यह फरमाया कि उसकी विधवा बीवी को 10 हजार रूपये का ईनाम दिया जाएगा। उसकी बीवी को नाम सुमित्रा हैं जो मोरखेडी (रोहतक) की रहने वाली हैं। हालाकि उसने कई एक रिप्रेजैन्टै ानज भी सरकार को दे रखी है लेकिन अभी तक उसको 10 हजार रूपये का रा ि ा नही मिली हैं। क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताएंगे कि इस के क्या कारण हैं?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै ओनरेबल मैमबर की जारकारी के लिए बता देना चाहता हूं कि वह रूपया दिया जा चुका हैं। सरकार ने दे दिया है पता नही वहां उन लोगो के पास क्यो नही पहुंचा। फिर भी हम आज ही इस बात की जानकारी प्राप्त करके कल यहां सदन मे आनरेबल मैम्बर को बता देंगे।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, जीरो आवर इज ओवर।

(इस समय से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गये)

(ाोर एव व्यवधान)

ध्यानकर्शन सूचना

बैमौसमी वर्शा तथा ओलावृश्टि के कारण हरियाण मे सामान्य रूप से तथा भााहबाद मारकण्डा में वि ोमतया 75 प्रति ात आलुऔं की फसल खराब होन संबंधी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री सुरेन्द्र सिंह ओजला एम0एल0ए0 की तरफ से आमतौर पर हरियाणा में और खासतौर से भााहबाद मारकण्डा में 75 परसेन्ट आलुऔं की फसल ओलावृश्टि और भीत लहर की वजह से खराब होने के कारण और भााहबाद मारकण्डा के कोल्ड स्टोरेज द्वारा अधिक कीमत वसूल करने के बारे में एक काल अटैन्ान मो ान प्राप्त हुआ हैं, जो मैने मन्जूर कर लिया हैं। आनरेबल मैम्बर अपना काल अटैन्ान मो ान पढ़ दें और मन्त्री महोदय अगर उसका जवाब आज ही देना चाहें तो दे दें।(ाोर)

Shri Surender Singh Aujla: Sir, I want to draw the attention of this house towards a matter of urgent public importance that the 75 percent potato crop in Haryana in general and Shahbad Markanda in particular has damaged due to unseasonal rains and hailstorms. Haryana is left with only twenty five (25 percent) crops. It is very painful to say that the cold storage owners are charging Rs 14.60 per bag for stroing one bag of potato. Secondly I will mention that this rate is prevailing in Shahbad Markanda Only. In other towns of Haryana rates are very low from Rs.8 to Rs.11per bag. It is well known that Shahbad prodice a big

share of potato. The farmers who are badly hit by the untimely rains find it difficult ot store the remaining produce at such a high rate.

(At this stage the Deputy Speaker occupied the chair)

I will take up the potato rate now. Potatoes are being sold in open market at the rate of Rs 30 to 40 per bag. In the previous year Hafed came to the help of farmers because of the presence of Hafed in the market good rate of potato were given to the farmers.

It is regretted that Agriculture Department, Hafed or any ohter agency of the Government is not coming to the help of the farmers Potato groweres have become bankrupt. Agriculture Department has totally failed to help the farmers.

It is a matter of serious nature and of recent occurence which has caused great resentment in the public. This matter also reletes to the econonmy of the State which will hit the poor producer now and buyer at a later stage. Therefore, draw the attention of the Governement towards this matter of public importance and request the Governemtn to intervance in this matter and also clarify the position by making a statement in the House.

डा0 मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे इस रवैये पर बड़ा अफसोस है। हम छाती के जोर से चिल्लाते रहें हमारी और आपकी निगाह भी न जाए। हम इस हाउस के मैम्बर हैं और हमें प्वायंट आफ आर्डर रेज करने को अधिकार हैं। जीरो ओवर में कुछ बातें हो रही थी, अस समय भी मुझें मौका नही मिला। मैनें दो काल अटैन ान मो ान आज सुबह 8 बजे दिये। वे मैने आपके आफिस में दिये। इसलिये कम से कम मुझे बोलने का मोका तो

दिजिए। हमें चेयर की तरफ से कह दिया जाता है कि आप लिख कर भेजो। लिख कर भेजा है तक भी हमें बात कहने नही दी जाती। इससे बढ़कर और क्या बात हो सकती हैं। एक मो ान तो मैने यह दिया था कि हिसार टैक्सटाइल मिल के अन्दर मनदूरों पर लाठियां चलाई गई। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः वह स्पीकर साहब के अन्डर कसिड्रे ान है।

डा0 मंगल सैनः दूसरी बात यह है कि अगर पंजाब असैम्बली में हरियाणा मे बारे के कोई बात आती हो तो उसकों यहा रेज करने का हमारा फर्ज हैं . . . . . .(ाोर)

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब, आप बैठिए, यह प्वायंट आफ आर्डर नही हैं।

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैनें भी एक मौ ान दिया था कि यह जो रावी–ब्यास के पानी वाली नहर बन रही हैं इसके बारे में मुख्य मन्त्री जी यह एग्रीमैन्ट करवा लें कि उस नहर का काम हमारे इजिनियर्ज करवाएंगे। क्योकि उस पर हमारा रूपया लगेगा और हमारे इंजिनियर्ज उसे जल्दी भी बनवा सकते हैं। अगर पंजाब के इजिनियर्ज गन्दा मैटिरियल लगा देंगें तो उसकी इन्कवायरी कौन करेगा। इसलिये यह स्टेट के हित में है कि उसे हमारे इजिनियर्ज ही बनाएं।

श्रीमति डा0 कमला वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, 29 तारीख को डिमाडज पर बोलजे हुए मैने कहा था कि हरियाणा के एक्सपोर्टर्ज के साथ बहुंत अन्याय हो रहा है, मुझे उसका जवाब नही दिया गया। दूसरी बात मैने यह कही थी कि एक अफसर जेल में अफीम बेचता हुआ पकडा़ गया हैं उसके बारे में भी कोई जवाब नही दिया गया हैं।(ाोर)

Mr. Deputy speaker: Kindly give it in writing and you will get the answer.

चौधरी राम लाल वधवा: डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह निवेदन करना चाहता हूं कि कल सै ान को आखिरी दिन रह गया है। मैने स्वामी आदित्यवे ा के खिलाफ टी0ए0 के बारे में एक प्रिवलेज मो ान को नोटिस दिया था लेकिन उसके बारें में अभी काई जवाब नही मिला हैं।(ाोर) वह कब तक दे दिया जाऐगा?

Mr. Deputy Spoeaker: The Hon. speaker told you that he will give his furling on this motion..... (Interruptions and Noise)

बक्तव–

कृशि मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण सूचना सम्बन्धी

Mr. Deputy Speaker: Now the Hon. agriculture Minister will make a statement on the Call Attention Motion of Chaudhri Surender Singh Aujla.

Agriculture Minister (Shri Shamsher Singh): Sir, Potato is an important vegetable crop of Haryana State. It is mainly grown in the districts of Ambala, Kurukshetra, Karnal and part of Sonepat where irrigation facilities are available. The estimated acreage and productions of the crop during 1981-82 was 13,100 hectares and 2,61,000 tonnesrespectively. Due to unfavourable weather condition andrains during resectively. Due to unfavourable weather conditions and rains during the past 3 months the estimated production has come down to 2,15,000 tonnes. This low production is attributed to untimely and unprecedented rains which resulted in rotting or tubers due to excessive moisture in the fields Hailstorm of light intensity was reported in the village of Alampur, Salarpur, Dyalpur, Kheri Brahmna, Kheri Ramnagar, Chanderbhajanpur on 1st March, 1982 of Thanesar Sub Division (Kurukshetra District). However, there is no question of damage directly to the potaot crop from hailstorm as the crop had hostly crossed the vegetative stage.

2. as to the cold charges for potato, there is no statutory control by the State Government. The prices are charged by the individual cold strors owners or as fixed by the cold stores owners associations. The prevailing rates in Kurukshetra, Ambala and Karnal, as per information available, is Rs.14.60 per bag. The maxim um concentration of cold store is also in these districts. Out of total number of

129 cold in the State, there are 43 in Kurukshetra , 33 in Ambala, 28 in Karnala and 8 in Sonepat.

3. The Minimum average weighted whole-sale prices of potato during the peak harvest period in the major Mandis in the month of February and first week of March were low and unstable but now the are showing and upward trend and the acreage weighted price in Kurukshetra during third week of March 1982 Rs.55/- per quintal. In January the average weighted price of Potato in Kurukshetra varied from Rs.42 to 45/- per quintal. In the third week of February the weighted average price of potato in Kurukshetra was Rs.65/- per Quintal.

4. From time to time Haryana Government has been requesting the Government of India to fix support price potato at Rs.60/- per quintal and to instructor ht HAFED to enter into market for large scale purchases and move the quantity thus purchased to the deficit zones will in the country or explore the possibilities for export to the gulf countries. No support price has been fixed by the Government of Indian so far. On to purchase 2000 tonnes of graded potato @ 50/- per quintal from the farmers. Though the farmers of Jagadhri and Sadhaura (Ambala District) had offered 5,000 bags to HAFED @ Rs.50/- per quintal be registering their names with HAFED yet no stock have been received from the concerned farmers so far. With the entry of HAFED in the potato market, the rates of potatoes have, however, stabilized and no distress selling has been reported

5. The Department of Agriculture is providing necessary help to the farmers in increasing the production by

giving technical know-how, supply of quality seed and other inputs. There is no failure on the part of the Department to watch the interests of the farmers in production and marketing of potato crop.

श्री सुरेन्द्र सिंह औजलाः उपाध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अभी बताया कि भााहबाद मारकण्डा का कोल्ड स्टोरेज अगर 14.60 रूपये पर बैग कर रहा हैं, तो उनके पास ऐसी कोई एजेंसी नही जिससे उसको कन्ट्रोल कर सकें। आज से दो तीन साल पहले गवर्नमैंट ने एक नाटिफिके ान जारी किया था जिसमें वहां के कोल्ड स्टोरेज के औनर्ज को 9 रूपये कर बैग चार्ज करने के लिए कहा था। उसके बाद औनर्ज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में गए लेकिन उनको वहां से कामयाबी नही मिली। भााहबाद के आस पास दूसरे कस्बें हैं, वहां के कोल्ड स्टोरेज 8–9 रूपये पर बैग चार्ज कर रहें है। तों मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या भााहबाद के कोल्ड स्टोरज में बिजली ज्यादा खर्च होती है? दूसरा सवाल यह है कि इन्होने बताया कि हैफेड मार्किट के अन्दर एन्टर कर गई हैं और वह 50 रूपये के हिसाब से आलू खरीद रही हैं। मैं बताना चाहता हूं कि किसी भी हैफेड के अधिकारी ने मार्किट से आलू नही खरीदा और न ही अभी मार्किट में आलू आया हैं।

10.00 बजे

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, श्री सुरेन्द्र सिंह औजला अपने सवाल के जरिएए यह रैफर कर रहे थे कि कई

साल पहले सरकार ने कोल्ड स्टोरेज में पटैटो रखने के लिए कोई रेट मुकरर्र किए थें। उपाध्यक्ष महोदय, अगर पोटैटो ग्रोअर्ज कोई रिप्रजेन्टे ान सरकार को देते और कहते कि हमें यह दिक्कत हैं, तो सरकार ऐसी को पावर एक्वार्यर कर सकती थी और कोई कायदा कानून बना कर लागू कर सकती थी लेकिन इस साल में ऐसी कोई रिप्रजैन्टे ान पोटेटों ग्रोअर्ज की तरफ से नही आई कि कोल्ड स्टोरेज के रेट एक्सैस हैं। अगर इस बारें में पोटैटों ग्रोअर्ज की तरफ से कोई रिप्रजैन्टे ान आएगी जो सरकार उसको एग्जामिन करकें और कोई पावर अख्त्यार कर किसानों को रिलिफ दिलसाएगीं।

वाक आउट

श्री मूल चन्द जैंनः डिप्टी स्पीपर साहब, मैं आपकी इजाजत से कल हाउस मै जो अनप्रैसीडैंट घटना हुई उसके बारे में अर्ज करना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, कल बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट पर जब मो ान पे ा हुई तो उस पर बोलतें हुए मैने कहा था कि रूलिंग पार्टी तभी होती है जब उसकी मैजोरिटी होती हैं। वह अपनी मेजोरिटी का नाजायज फायदा नही उठाती और हमें ाा अपोजी ान को, जो माईनोरिटी में होती हैं, वि वास में लेने की कोि ा ा करती हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह पहली दफा हुआ हैं कि बिजनैस एडवाईजरी

कमेटी की मिटिंग मे रूलिंग पार्टी ने ब्रूट मैजारिटी का नाजायज फायदा उठाने की कोि ा ा की हैं। मैने कल हाउस में अपील की थी कि रूलींग पार्टी अपनी मैजोरिटी को नाजायज फायदा न उठाए और जो प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट हैं उसको हाउस में पे ा होने दें। जितनी भी कमेंटियों की रिपोर्टस तैयार हो चुकी हैं, उनको हाउस में आने दें और सबोर्डीनेट लैजिस्ले ान कमेटी की रिपोर्ट मैम्बर्ज को सर्कुलेट करें।लेकिन वह किसी भी चीज को मानने के लिए तैयार नही हुए। उसके बाद मैने यह कहा था कि अगर रूलिंग पार्टी अयोजी ान वालों की, जो माइनारिटी में हैं, कोई भी जायज बात मानने के लिए तैयार नही है तो हमारे पास सिवाए गांधी जी के रास्ते पर चलने के कोई दूसरा रास्ता नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, कल हमने जो डिमास्ट्रे ान किया था उस डिमांस्ट्रे ान के बीच में मैने कई दफा स्पीकर साहब कों कहा कि स्पीकर साहब मै बोलना चाहता हूं लेकिन स्पीकर साहब ने मेंरी तरफ कोई ध्यान नही दिया और न ही भाोर को बंद करवाने का प्रयत्न ही किया। डिप्टी स्पीकर साहब, कल फाईनैंस मिनिस्टर, चौधरी खुार ाीद अहमद ने कहा कि जैन साहब तो बाउंडिड लेबर हैं। एक तरफ तो ये कहते है कि हरियाणा में कोंई बाउडिड लेबर नही है और दूसरी तरफ ये कहते है कि जैन साहब तो बाउंडिड लेबर हैं। इस के अलावा चीफ मिनीस्टर साहब ने कहा कि हम तो नकली पार्टी नही हैं, जैन साहब नकली लीडर हैं।(ाोर एव विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, कल जिस तरीके से बजट पर 1,265 करोड़ रूपए को एप्रोप्रिए ान बिल, सप्लीमैंटरी डिमांडज पर 117

करोड़ रूपए एप्रोप्रिए ान बिल, एक्सैस ग्रान्टस को आप छोडिए, ये तीनों बिल पास हुए उससे मुझें तो बड़ी भार्म आती हैं। ट्रेजरी बैंचिज वालो को पता नही भार्म आती हैं या नही? डिप्टी स्पीकर साहब, हालज को कैसे सुधारा जाए? गाड़ी लीक से नीचे उतर गई हो ता उसको लीक पर कैसे लाया जाए? डिप्टी स्पीकर साहब, रूलिंग पार्टी अपने एक मैम्बर को बचाने के लिए प्रिविलेज कमेंटी की रिपोंर्ट को हाउस में पे ा नही होने दे रही हैं। वह मैम्बर एग्रो इन्डस्ट्रीज कारपोरे ान का चेयरमैंन हैं। इस कारपोरे ान में भी बहुत धाधालियां हैं। इस कारपोरे ान की रिपोर्ट पब्लिक अंडरटेकिंग कमेटी में तैयार कर दी हैं लेकिन वह अभी तक हाउस में पे ा नही हुई हैं। प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट हाउस में पे ा न होने देंने के लिए ट्रेजरी बैचिज वाले हर किस्म का तरीका अख्तियार कर रहे हैं। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहब,मेरी पार्टी ने ओर सारी ओपोजी ान के मैम्बर्ज ने यह निर्णय किया हैं कि जितनी भी हाउस की कमेटियां बनी हैं चाहे वह ि ाड्यूल कास्टस कमेटी हैं, चाहे प्रिविलेज कमेटी हैं, ये सब कमेटियां बेकार बना दी गई है और इन कमेटियों पर जनता का लाखो रूपया बेकार खर्च होता हैं। इसलिए हम ऐसी कमेटियों मे नही रह सकते। मैं अपने सब अपोजि ान के मैम्बर्ज की तरफ से हाउस की सारी कमेटियों से अस्तीफा पे ा करता हूं।

(इस समय सैक्रेटरी साहब को कुछ कागज दिए गए)

डिप्टी स्पीकर साहब, जब 1938–39 में दूसरी वि व की लड़ाई की भ्रुरू हुई उस समय अग्रेंजों का राज था। उस समय जब अग्रेजों ने अपनी मनमानी कार्यवाही करनी चाही तो महात्मा गांधी जी ने स्टेटों की कांग्रेस पार्टियों की वजारत को आदे ा दिया कि आप सब अपना अस्तीफा दे दें। इसलिए हमने भी सभी कमेटियों से अस्तीफे दिये है। मैने अपने दोस्तो से कहा हैं आप मुझे भी इजाजत दें कि मै अपोजि ान लीडर के पद से अपना अस्तीफा दे दूं। लेकिन मेरे दोस्तों ने कहा कि अपोजी ान लीडर का पद अपना लीडर बनाया हैं इसलिए आप हमारे लीडर बने रहें आपको अस्तीफा देने की आव यता नही हैं। वरना डिप्टी स्पीकर साहब, मैं भी अस्तीफा देने के लिए तेयार था। आज हाउस के भ्रुरू होने पर स्पीकर साहब, ने कहा था कि आप कोई ऐसी बात न करें जिससे हाउस में कोई बदमजगी पैदा हो क्योंकि यह इस विधान सभा का आखिरी सै ान हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने कल भी एक उदाहरण दिया था कि अगर सैन्टर रामनवमी की छुट्टी कर सकता है तों आप क्यों नही कर सकतें। हालाकि लोकसभा और राज्य सभा को सै ान चल रहा हैं लेकिन अपोजि ान पार्टी के सदस्यो के सुझाव पर उन्होने तुरन्त मान लिया कि रामनवमी को सै ान नही होगा और उसका सै ान नहीं हुआ। लेकिन जिस तरीके से इन कमेटियों को रिडडैंट बना दिया गया हैं। उसमे स्पीकर साहब के आफिस की ****** है।

गृह मन्त्री (श्री कन्हैया लाल पोसवाल): डिप्टी स्पीकर साहब, विधान सभा के बारे में जो कुछ कहां गया है वह एक्सपंज कर दिया जाए। (ाोर एव विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः साजि ा वाली बात एक्सपंज कर दी जाए (ाोर एव विघ्न)

श्री मूल चन्द जैनः एक्सपंज क्यो कर दिए जाएं। यह मेरा चैलेंज हैं। स्पीकर साहब ने मेरे खिलाफ जो कार्यवाही करनी हो, वह करें। यह मेरे स्पीकर के आफिस के खिलाफ आरोप हैं और सरकार पर भी आरोप है। (ाोर एव विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः जैन साहब, इस सदन की यह आखिरी कार्यवाही चल रही हैं और कल का दिन बाकी हैं। मैने आपको बोलने का अवसर इसलिए दिया था ताकि हाउस की कार्यवाही अच्छी प्रकार से चल सके और दोनो पार्टियों के सदस्य अपने विचार रख सकें। जैन साहब ने स्पीकर साहब के बारे कें जो कुछ कहा है वह एक्सपंज कर दिया जाए।

चौधरी राम लाल वधवाः उपाध्यक्ष महोदय आपने फरमाया कि इस सदन का कल आखिरी दिन है मै आपकी बात से बिल्कूल सहमत हूं। कल के सै ान के बाद नया सदन ही आएगा, इस एक्रमोनियस के अन्दर हम एक दूसरे से विदा हो यह अच्छी बात नही है। उपाध्यक्ष महोदय, कल जिस तरीके से एप्रोप्रिए ान बिल्ज पास हुए भाायद उस तरीकें से हिन्दुस्तान में

तो क्या दुनियां की किसी पार्लियामैन्ट या असैम्बलीज में पास नही हुए होगें। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार तो मैजारिटी की ही होगी और उसके अन्दर बहुमत होगा। यदि बाप बहुमत के आधार पर हाउस को चलाएगे तो लोकतन्त्र नही रहेंगा। इसलिए मेरा निवेदन है और साथ ही मै चेयर से भी पुछना चाहता हूं कि हाउस के अन्दर रूलिगं पार्टी के 50 मैम्बर है औउ अपोजी ान के 40 मैमबर है, 10 मैम्बर का डिफरैंस है तो 40 मैम्बर को माईनारिटी ग्रुप किस तरीके से अपनी जायज बातें मनवा सकता हैं। कल हमारी बात चेयर भी सुनने के लिए तैयार नही हुई। कल चेयर से कहा कि जी हां, हम बोलना चाहते हैं लेकिन चेयर की तरफ से बोलने के लिए टाईम नही दिया गया। हां पक्ष की जीत, ना पक्ष की हार की आवाज में एप्रोप्रिए ान बिल पास हो गए। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि कि यहा पर लीडर आफ दि हाउस कह रहे थे कि वे बताऐगें कि ऐसा क्या पहाड़ टूटा हैं जिसके कारण रापनवमी की छुट्टी नही की(ाोर) आप देखिए आज 3 रिपोर्ट आ गई हैं, एक प्रस्ताव आ गया हैं और बिल भी इतने ज्यादा है कि आपको भी मालूम हो जाऐगा कि ये काफी देर तक खत्म नही हो सकते।(ाोर)

मुख्यमन्त्री(चौधरी भजन लाल): कल आपने ये बात कह ली थी। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवा: उपाध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से इन्होने हाउस की कार्यवाही कल चलाई थी, यदि उसी तरीके

से आत बिल पास करना चाहते है तो बात अलग हैं। जैसे इन्होने कल एप्रोप्रिए ान बिल पास किये और अपनी मैजारिटी का फायदा उठाया और हमने जो कार्यवाही की वह आपको भी पता हैं। लेकिन मैं यह चाहता हूं कि वह स्थिती आज पैदा न हो और सारा काम ठीक ठाक हो। रूलिंग पार्टी, अपनी मैजारिटी से इस हाउस के अन्दर और जनता के सामने बदमजगी न करें। यह किस को पता हैं कि कल कौन आऐगा और कौन नही आऐगा। समय थोड़ा ही रह गया हैं कमेटियों की हालत यह है कि दूनियां के इतिहास में आपको जो यहा पर हो रहा हैं, ऐसा कही देखने को नही मिलेगां। (ाोर) (ट्रेजरी बैचिंग की तरफ इ ाारा करतें हूए) आपको इतनी जल्दी भी क्या हैं। जून में तो जाना ही है यदि पहले जाना चाहते हो तो पहले चले जाओ।(ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपकों बताना चाहता हूं कि 31 मार्च इन कमेटियों की आखिरी तारीख हैं। इनका समच अब समाप्त होने जा रहा हैं। यह कौमन सैन्स की बात हैं, प्रोसीजर की बात है कि जो रिपोर्ट कमेटी की तरफ से आ जाये वह सदन में पे ा होनी चाहिए। यहां पर प्रिवलिज कमेटी की रिपोर्ट न आने से क्या समझेगे। इसी प्रकार से दूसरी पी0यू0सी0 की रिपोर्ट के अन्दर भी एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरे ान के चेयरमैंन स्वामी आदित्यवे ा को बचाने की ये कोि ा ा कर रहें हैं।(ाोर)

श्री उपाध्यक्षः वधवा जी, पी0 यू0 सी0 की रिपोर्ट आज पे ा हो रही हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः यदि इन्होने अपनी मैजोरिटी के आधार पर कोई फैसला करना है और हमारी बात नही सुननी तो बात अलग हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, आप जनरल सेल्ज टैक्स बिल को ही लीजिए। यह मसला लम्बा है कि यदि मैम्बरो को इस पर बोलने को मोका दिया जाता है तो बहस 1.30 बजे से पहले समाप्त नही हो सकती।

श्री उपाध्यक्षः आप जल्दी खत्क कीजिए। (ाोर एव व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः डिप्टी स्पीकर साहब, प्रिविलिज कमेटी की रिपोर्ट एडमिन्सिट्रेटिव रिपोर्टस और बिल्ज पर बहस इतने थोड़े समय के अन्दर समाप्त नही हो सकती। मै आपसे निवेदन करूगां कि आप लीडर आफ दि हाउस को बुला कर इस संबंध में कोई फैसला हर लें । वरना हमें जिस तरिके से करना हैं, वह करेगें और जिस तरीके से आप कर सकतें हैं वह आप करिए। क्या ये कमेटियां इतन निम्मन हो चुकी हैं कि इनकी रिपोर्टस मैम्बरो के पास नही आती। हम भी कमेटियो से रिजाइन करके आपके पास भेज देंगे। जो कमेटियां बनती है ये हाउस की हिफाजत के लिए और हाउस के राईटस के लिए बनती हैं। मुख्य मन्त्री इन रिपोर्टस पर पर्दा डाल रहें है। मिल कर यहां पर धाधलें बाजी हो रही हैं ओर दोशियो को बचाने की का ि ा ा हो रही है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः यदि सारे सदस्य बोलेगें तो फिर हाअस की कार्यसाही कैसे चलेगी? (ाोर) (इस समय चौधरी उदय सिंह दलाल उठ कर बोलने लग पडें)(विघ्न) दलाल साहब आप मेरी बात सुनिये। कल मै भी हाउस में उपस्थित था। स्पीकर साहब ने अपोजि ान के सदस्यों से कई बार निवेदन किया था कि आप अपना अपना स्थान ग्रहण करें, सब को बोलने को मौका मिलेगा। लेकिन मुझे खेद है कि एक भी सदस्य ने उनके आदे ा की पालना नही की।

डा0 मंगल सैनः आप मुझे भी बोलने का समय दे।(ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आपकी पार्टी के एक मैम्बर को बोलने को समय दिया गया हैं।(ाोर)

श्री मूल चन्द जैनः आप हमे नही बोलने देगें तो हम अपना मुहं बन्द कर लेगें।(ाोर) (इस समय विराधी दल के सभी सदस्यों न अपने मुंह पर रूमाल बांध लिए और अपनी पिठ फेंर कर खड़े हो गए)।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आप देख रहे है कि किस तरह को ये प्रद र्ान कर रहे है। इनकों देख कर, ऐसा लगता हैं कि जैसे डैमोक्रेसी नाम की कोई चीज बाकी ही नही रही हैं। डैमोक्रेसी का जितना जनाजा आज इन साथियों न निकाला हैं

आपकों इतिहास में देखने को नही मिलेगा। (ोम भोम की आवाजें)

विरोधी पक्ष की ओर से आवाजें: हाउस अन–डैमोक्रेसी तरीके से चलाया जा रहा हैं इसलिए हम वाक आउट करते हैं। (इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य वाक आउट कर गयें।)

चोधरी भजन लाल: कल भी इनकी यही राय थी कि बिल पास न होने दिये जायें और हाउस की कार्यवाही को रोका जाये। (ाोर एव व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: माननीय सदस्यों को इतना ज्ञान होना चाहिए कि चेयर की तरफ पीठ फेर कर खड़े नही होना चाहिए।(ोम भोम की आवाजें व भाोर)

चोधरी भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, आप देख रहे है कि किस तरह का ये भद्दा प्रर्द ान कर रहे हैं। इन्होने कल भी ऐसा ही प्रर्द ान किया था और उससे भी बढकर आज किया हैं। इनकी बाकायदा यह प्लानिंग थी कि एप्रोप्रिए ान बिलों को पास न हाने दिया जायें ताकि उनके पास न होने से एक ऐसी संवैधानिक प्रोब्लम आ जाए जिससे यह सरकार टूट जाये। क्योकि पहले ये लोग सरकार तोड़ नही सके और अब इस तरह के हथकंडे अपना रहे है। जिस समय यह सरकार बनी उस समय अपोजि ान के भाई कहने लगें कि यह सरकार 15 दिन चलेगी या एक महीना चलेगी। लेकिन आप देख रहें है कि जब भी

आजमाय ा का समय आया है और राज्य चुनाव मे भी हमने इनके 8 वोट तोड़े थे। आज भी वही हालत हैं। चार वोट अब भी इनके हमारे पास आए हैं क्योंकि इनके आदमियों को यह यकीन हो गया था कि उन्हे पार्टी टिकट नही मिलेगा। इसीलिए ही इनकी पार्टी के सदस्य हमारी तरफ आये। ये सभी स्दस्य श्रीमति इन्दिरा गांधी की नींतियों में वि वास करते हैं इसलिए तो ये हमारे पास आयें। हमारा कोई भी साथी इन की तरफ नही गया। ये यहो पर मैजौरिटी की बात कह पर प्रान्त के लोगो को गुमराह करना चाहती हैं। जिस तरह का ये यहां पर प्रर्द ान कर रहें हैं उससे इन्होनें सही मायनों में प्रतातंत्र का जनाजा निकाला हैं। डिप्टी कमी ान साहब, जिस तरह को ये यहां पर प्रर्द ान कर रहें हैं क्या जनता इसको पंसन्द करेगी? क्या हरियाणा की जनता आने वाले चुनावों मे इनको माफ करेगीं? इनके रवैये को देख कर ऐसा लगता है कि इनमें से सिवाए 3–4 मैम्बरों के कोई पंचायत का मैम्बर तक नही बन सकता। डिप्टी कमी नर साहब, 1977 में तो जनता पार्टी की हवा ही दूसरी थी। अस समय कांग्रेस पार्टी को वोट नही मिल सकें। डप्टी कमी नर साहब, जैसे अगर दरिया का पानी एकदम टूट जाये तो उसका पानी एकदम 20 फुट बहाव तक चला जाता हैं। ये भी उसी तरह के बहाव से पेड़ पर चढ़ गये थें। चूंकि अब इस का बहाव कम हो गया हैं इसलिए आगे आने वाले चुनावों में इनमे से एक भी आदमी नही आयेगा। इसके अलावा मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि इन्होने कहा है कि रामनवमी की छुट्टी होनी चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, बिजनैस

एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में आप भी थे। वहां श्री बलदेव तायल ने यह प्रस्ताव रखा था कि चूंकि रामनवमी का भुभ दिन हैं इसलिए उस दिन लास्ट मिंटिंग करकें हमे बिछड़ना चाहिये क्योंकि आगे चुनाव होने जा रहे हैं फिर पता नही कौन आऐगा और कौन नही आऐगा? यह प्रस्ताव अपोजी ान की तरफ से ही आया था। जहां तक बाबू मूल चन्द जैन का ताल्लुक हैं आप जानते है वे ऐसे लीडर हैं जिनको एक भी आदमी अपना लीडर नही मानता। जब भी वे बोलने के लिए खडे होते हैं तो उनकी पार्टी के सभी लोग बोलने लग जाते हैं। लीडर वह होता हैं कि जब वह बोले तो उसकी पार्टी का एक भी आदमी न बोलें। ये लीडर किस बात के हैं? अगर इनको जरा सा भी इख्लाक होता तों इनको अस्तीफा देना चाहिए था। कितनी ही बार इनकी पार्टी के जनरल सैक्रेटरी श्री कवंल सिंह कह चुके है कि बाबू मूल चन्द जैन हमारे लीडर नही हैं, मै उन्हे लीडर नही मानता और हालात आपके सामने हैं। महज यह फायदा उठाने के लिए कि गाड़ी और कोठी इन्हे मिली रहें, आफिस और स्टाफ इन्हे मिला रहें। ये लीडर बने हुए हैं वरना एक आदमी मर्यादा से कैसे गिर सकता है? डिप्टी कमी नर साहब, फिर इन्होने कहा कि हम कमेटीज से अस्तीफा देते है। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि कमेटियां थोड़े दिनों के लिए ही बनाई गई हैं क्योंकि दो महीनों के बाद इलैक ान हाने वाले हैं। इन कमेटियो की बड़ी मु कल से एक मीटिंग हो पाएगीं। उसके बोद सबने इलैक ान के काम में व्यस्त हो जाना हैं और कमेटीज आटौमैटिकली खत्म हो जानी हैं। ऐसा करके इन्होने

महज ड्रामा करने की कोि ा ा की हैं। इन भाब्दो के साथ, डिप्टी कमी नर साहब, मैं आपसे अपील करता हूं कि और सारे हाउस से प्रार्थना करता हूं कि इन सारी बातों को यह हाउस कंडम करे तथा इस सारी कार्यवाही को एक्सपंज कराया जाए।

बिल्ज–

(i) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट एण्ड वेलीडे सन) बिल, 1982

Exicese and taxation Minister (CHaudhri Mehar Singh Rathee): Sir, I beg to move that-

The Haryana General Sales Tax(amendment and Validation) Vill be taken into consideration at once]

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव हुआ है कि–

दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैडमैंट एड वैलिडै ान) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है कि–

दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैडमैंट एड वैलिडै ान) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

श्री उपाध्यक्षः अब सदन बिल पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगां।

सब क्लाज (2) आफ क्लाज 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि सब क्लाज (2) आफ क्लाज 1 बिल का पार्ट बनें

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 2

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 2 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 3

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 3 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 4

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 4 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 5

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 5 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 6

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 6 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 7

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 7 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 8 और 9

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 8 और 9 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 10

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 10 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सब क्लाज (1) आफ क्लाज

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि सब क्लाज (1) आफ क्लाज 1 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अनैटिंग फार्मूला

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल का अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाईटल

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल हों।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Excise and Taxatation Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathee**):** Sir I bag to move

That the bill be passed.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि बिल पास किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि बिल पास किया जाए।

(ii) दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुले ान एंड डिवेनपमैन्ट) अमैंडमैंट बिल, 1982

Local Government Minister (Shri Mange Ram Gupta): Sir, I beg to move that-

The Faridabad complex (Regulation and Development) Amendament Bill be taken intoconsideration at once.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव हुआ है कि–

दि फरीदाबाद कंप्लैक्स (रैगुलै ासन एड डिवैलपमैंट) अमैडमैंट बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है कि–

दि फरीदाबाद कंप्लैक्स (रैगुलै ासन एड डिवैलपमैंट) अमैडमैंट बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

श्री उपाध्यक्षः अब सदन बिल क्लाज बाई क्लाज विचार करेंगा।

क्लाजिज 2,3 और 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 2,3, और 1 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

टाईटल

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Local Government Minister (Shri Mange Ram Gupta**):** Sir I bag to move

That the bill be passed.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि बिल पास किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि बिल पास किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) दि पंजाब सिनेमाज (रैगुले ान) हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1982

Home Minister (Shri Kanhiya Lal Poswal): Sir, I beg to move that-

The Punjab Cinemas (Regulation) Haryana Amendment bill be taken into consideration at once.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव हुआ है कि–

दि पंजाब सिनेमाज (रैगुलै ासन) हरियाणा अमैडमैंट बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है कि–

दि पंजाब सिनेमाज (रैगुलै ासन) हरियाणा अमैडमैंट बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

श्री उपाध्यक्षः अब सदन बिल क्लाज बाई क्लाज विचार करेंगा।

क्लाजिज 2 और 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 2 और 1 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

टाईटल

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Home Minister (Shri Kanhiya lal Poswal**):** Sir I bag to move

That the bill be passed.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि बिल पास किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि बिल पास किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iv) दि हरियाणा पब्लिक वक्फस (ऐकसटैं ान आफ लिमिटे ान) बिल, 1982

Home Minister (Chaudhri Khurshid Ahmad): Sir, I beg to move that-

The Haryana Public Wakf (Exetension of Limitation) billbe taken into consideration at once.

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव हुआ है कि–

दि हरियाणा पब्लिक वक्फस (ऐकसटैं ान आफ लिमिटे ान) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः प्र न है कि–

दि हरियाणा पब्लिक वक्फस (ऐकसटैं ान आफ लिमिटे ान) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

श्री उपाध्यक्षः अब सदन बिल क्लाज बाई क्लाज विचार करेंगा।

सब क्लाज (2) आफ क्लाज 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज (2) आफ क्लाज 1बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

क्लाजिज 2 और 3

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाजिज 2 और 3 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

सब क्लाज (1) आफ क्लाज 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि सब क्लाज (1) आफ क्लाज 1 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

टाईटल

श्री उपाध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Finance Minsiter (Chaudhri Khurshid Ahmad**):** Sir I bag to move

That the bill be passed.

Mr. Deputy speaker: Motion moved-

That the bill be passed

Mr. Deputy speaker: Question is-

That the bill be passed

the motion was carried.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(v) दि पंजाब एक्साइज (हरियाणा अमैडमैंट) बिल, 1982

Excise ana Taxation Minister(Chaudhri Mehar Singh)**:** Sir, I beg to move that-

The PunjabExcise(Haryana Amendment) bill be taken into consideration at once.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved—

That the Punjab Exise (Haryana Amendment) bill be taken into consideration at once.

Mr. Deputy Speaker: Question is—

That the Punjab Exise (Haryana Amendment) bill be taken into consideration at once.

The Motion was carried

श्री उपाध्यक्षः अब सदन बिल क्लाज बाई क्लाज विचार करेंगा।

सब क्लाज 2 और 1

श्री उपाध्यक्षः प्र न है—

कि क्लाजिज 2 और 1 बिल का पार्ट बनें।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री उपाध्यक्षः प्र न है—

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ

टाईटल

श्री उपाध्यक्षः प्र न है—

कि टाईटल बिल का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Excise and Taxatin Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathee**):** Sir I bag to move

That the bill be passed.

Mr. Deputy speaker: Motion moved-

That the bill be passed

Mr. Deputy speaker: Question is-

That the bill be passed

the motion was carried.

बलदेव तायल इन्कवायरी कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा

Finance Minister(Chaudhri Khurshid Ahmed): Sir, I beg to move

That the report by Shri Baldev Tayal, M.L.A. to enquire into the allegation and counter allegation levelled in the House by Ch. Hukam Singh and Swami Aditya Vesh, M.L.A. on 25-09-81, taken into consideration and discussed.

Sir, I also beg to move-

That this house, after having considered the report by the Sh. Baldev Tayal, M.L.A. to enquire into the allegations

and counter-allegation levelled in the House by Ch. Hukam Singh and Swami Aditya Vesh, M.L.A. on 25-09-81, disapproves the said report.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

That the report by Sh. Baldev Tayal, M.L.A. to enquire into the allegation and counter-allegations in the House by Ch. Hukam Singh and Swami Aditya Vesh, M.L.A. on 25-09-81, be taken into consideration and discussed.

That this House, after haveing considered the report by Sh. Baldev Tayal, M.L.A. to enquire into the allegations and counter-allegations levelled in the House by Ch. Hukam Singh and Swami Aditya Vesh, M.L.A. on 25-09-81, disapproves the said report.

चौधरी खुर ीद अहमदः सर, 25 सितम्बर को हाउस के सामने यह वाक्या हुआ, साथी एम0एल0ए0 पर अपोजि ान के एम0एल0ए0 ने इल्जाम लगायें चीफ मिनिस्टर साहब की तरफ से रैफरैन्स हुआ कि अपोजि ान को आदमी जज माना जाऐ। रैफरैन्स यह वि वास रखते हुए हुआ कि वह सही चीज हाउस के सामने रखेगा। हालांकि हमारे साथी पर इल्जाम थे लेकिन हमने अपने मैम्बर पर वनमैन कमी ान बैठा। जिन बातों का उन्हे सौंपा गया था वह मैं रिपोर्ट से पढ देता हूं–

. . . . . Chaudhri Hukam Singh, M.L.A. as a matter of fact, did not level any charges against Swami Aditya Vesh, M.L.A., but he only put a supplementary questions as under:-

स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सिलैक ान कमेंटी और थी या इन्टरव्यू कमेटी कोई और थी? जो दस सैल्जमैन की लिस्ट है इसमें बहुत बड़ा घपला हैं। पलवल में एक आदमी ने एस0पी0 विजीलैंस को लिख कर दिया और ऐफीडैविट दिया कि मैने 13,000 रूपये स्वामी जी को दिये। क्या यह सच हैं? अगर सच हैं तो स्वामी जी भगवे कपड़े उतार कर सदन की पटल पर रख दें।

कमि ान आगे लिखता है–

"This whole question can be bi-sacted into two parts:-

(1)that there is a "Ghapla" in employing 200 salesmen:

The Commission is so impartial that it has said that there is a "Ghapla" in emplying 200 salesmen. यह औरिजनल स्पीच की कोटे ान हैं। इसमे लिखा है कि जो दस सेल्जमैन की लिस्ट हैं इसमें ये कहुत बड़ा घपला हैं। लेकिन कमी ान इतना इम्पाि र्यल हैं कि दस सैल्जमैन की बजाए दो–सौ बना दिये। इस बात से इनकी इम्पाि र्एलिटी जाहिर होती हैं।

श्री दीप चन्द भाटियाः इन्हे इमपि ाऐलिटी भाब्द की बजाए पाि र्एलिटी भाब्द इस्तेमाल करना चाहिए। (हंसी)

चौधरी खुर ीद अहमदः जो भी ये बातें कहे, मै उन्हे मानता हूं। भाटिया साहब हमारे वरिश्ठ साथी हैं। ये प ातों से ले कर अंग्रजी तक जानतें है। अगर कोई गलती मैनें की है तो उसे दरूस्त कर लेता हूं। इस बात से ही कमी ान की इन्साफ पसन्दगी का पता चलता हैं कि कमी ान में दस आदमीयों की लिस्ट रैफर हुई लेकिन बायसैक्ट करेके दौ सौ बना दिये। एफिडैविट के बारे में कमी न ने लिखा हैं–

(2) "That one Shiri charan Singh has filed an affidavit with the police that Swami Aditya Vesh, M.L.A. has taken Rs. 13,000/- app. from said Sh. Charan Singh."

On page 2, it is further started-

".. This affidavit was never filed before any police officer and was kept in possess on by Sh. Charan Singh himself. The photostat copies of this affidavit were duly shown to the Managing Director, Haryana Agro-Indsutries Corporation Ltd. The photostat copies were also supplied to the office bearers of the Employess. Union of the Haryana Agro Industries Corporation Ltd. for the purpose of pursuing this case....."

Throughout the report, there is no point in it that this affidavit was given to anybody except that it was written by the person himself and given only to the employees union and other fellows.

जो यह चार्ज था कि वह एफीडैविट पुलिस के हवाले किया गया, वह भी इन्होनें खुद माना हैं कि डिस–एप्रुव होता हैं।

इन तमाम बातों को कहने के बाद इन्होने एवीडैंस कोई भी डिसकस नही की हैं। यह बात मानते हुए कि स्वामी जी के खिलाफ कोई भी बात साबित नही होती, एक बात को जनरलाईज किया गया हैं। रिपोर्ट में पेज 4 पर उन्होने यह लिखा हैं–

"…. It has not been proved that Swami Aditya Vesh, M.L.A. has axxepted any money. Sh. Charan Singh came out with an affidavit only when it became apparent to him that he will not be kept in service. Strangely enough in the affidavit he has not cited any witness….."

So nothing is proved but still the conclustion is that when he comes to conclude, he says on page6-

"that the integrity of Swami aditya Vesh is highly doubtful".

Without any evidence and without any discussion of any material on record, he highly doubts the integrity. a simple question was referred to कि यह बात सच है या नहीं। जनरलाइजे ान उन्होनें इस हद तक की हैं कि सारी कारपोरे ान्ज के बारे में सारे पोलीटीकल आदमियों पर अपने स्वीपिंग चार्जिज लगाकर क्नक्लूड किया है–

" I suggest to the Government that politicians and M.L.As. should not be given an office o fprofit on account of two reasons; firstly because they do not possess the necessary background and mental aptitude fro running these corporations and secondly it thrown them open to public criticism and suspicion".

सर, इस तरह की इस कमी ान की टर्म्ज आफ रेफरैन्स में कोई बात नही थी जिस तरह से इसने सारी कारपोरे ान्ज को तमाम पोलीटीि ायन्ज को एक ही कलम से रिजेक्ट कर दिया हैं ओर यह कहा है कि they are incompletent ot hold these posts.

मै यह कहता हूं कि इस कमी ान ने अपनी पार्वज को एक्सीड किया हैं और जो क्नक्लूजन निकाले हैं they are without any foundation and without any evidence. I propose that this report should be disapproved by this House.

श्री दीप चन्द भाटियाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर! डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा इस रिपोर्ट के बारे में एक अर्ज करना चाहता हूं कि चैयरमैन के पदों को इन्होने आफिस आफ प्राफिट बता दिया। इसका मतलब तो यह हो गया कि चीफ मिनिस्टर भी पोलिटीकल आदमी है मिनिस्टर्ज भी पोलीटीकल आदमीं हैं इसलिए इन सब कीं छुट्टी कर दी जाए। यहीं नही प्राईम मिनिस्टर साहिबा भी पोलिटीकल हैं. ...(व्यवधान व भाोर) यह जो इन्होने लास्ट मे कहा है, यह बिल्कूल गलत कहा हैं, इसलिए इसको रिपोर्ट में से काटना चाहिए।

सुरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह पूछना चाहता हूं कि इस रिपोर्ट के बारें में तो कास्ट वाली बात नही आयी होंगी।(ाोर)

श्रीमति सुशमा स्वराज(अम्बाला छावनी): उपाध्यक्ष महोदय, संसदीय मामलों मे मन्त्री चौधरी खुर ाीद अहमद ने यह

प्रस्ताव सदन में रखा है कि श्री बलदेव तायल समिती की रिपोर्ट पर विचार किया जाए, विचारप और चर्चा करने के बाद इसको डिसएप्रूव किया जाए या इसका निरमोदन कर दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आज मेरे लिए इस सदन में बडा़ आभागा दिन हैं कि बलदेव तायल, जिनको एक समिति का चेयरमैन बनया गया था, उनके द्वारा पे ा की गयी रिपोर्ट को डिफैंस करने के लिए मुझे इस हाउस में मोजूद रहना पडा़ हैं जबकि हमारे अन्य साथी वाक आउट कर गए हैं। वह इस समिती के चेयरमेन ही नही, बल्कि मेरी पार्टी के सदन में नेता भी है। चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने जो बातें उन पर लाछंन लगातें हुए कीं हैं, हैं मैं उनको एक–एक करके कहूंगी और उन की एक–एक बात को सब्सटैं ाियेट करूगी। सबसे पहले तो मैं यह कहूगीं कि लोकतात्रिक मर्यादाऔं को पालन करते हुए हमें इस रिपोर्ट को मान लेना चाहिए। एक बात चौधरी खुर ाीद अहमद ने यह कही कि एवीडैंस को कही डिसकस नही किया। मै यह कहना चाहती हूं कि जिस तरीके से ट्रेज़री बैचिज के एक मैम्बर को बचाने के लिए पिछली सभी मान–मर्यादाऔं का भंग करने के लिए और अपने मैम्बर को कायम रखने के लिए केवल मात्र थोथीं दलींले देकर यह प्रस्ताव लाये यह ठिक नही हैं। आज भी आप द्वारा बोलने के लिए समय न दिये जाने के फलस्वरूप समूचे विपक्ष को वाक–आउट करना पड़ा लेकिन मुझे हाउस में इसी लिए बैठना पड़ा है ताकि मैं अपने नेता को डिफैंड कर सकूं।

श्री उपाध्यक्षः अभी तक ता बलदेव तायल जी भी आपके पास ही बैठ थे।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष्र महोदय, बलदेव तायल जी जरूर आए थे। लेकिन जब तक बैठी हूं इस सदन के अन्दर उनको अपने आपको डिफैंड करने की जरूरत नही हैं।

श्री दीम चन्द भाटियाः उपाध्यक्ष महोदय, जब उनको खुद बोलना चाहिए था, तब तों वे ं मुंह पर पट्टी बांध कर सदन से बाहर निकल गए। यह कोई अच्छी बात नहीं है।

श्रीमति सुशमा स्वराजः भाटिया साहब, उनको स्वय बोलने की जरूरत नही हैं, उनकी तो रिपोर्ट बोलती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि मै इस रिपोर्ट की डिटेल्ज के अन्दर जाऊं, मैं एक बात सदन के अन्दर कहना चाहूगीं। यहां पर बैठ कर बार–बार मुख्य मन्त्री, चौधरी भजन लाल जी ने एक बात कही थी। मैं उस बात की तरफ इस सदन की जवज्जह दिलाना चाहती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर बैठे हुए स्पीकर साहब द्वारा कहा गया हैं उस पर वि वास कर लिया जायें। आज सूबह भी जब यहां पर रावी–ब्यास के पानी की बात उठाई गयी कि पंजाब विधान सभा के अन्दर कहा गया है तौ उसकों गलत समझा गया। मैं एक बात की तरफ एम्फैसाइज करना चाहती हूं कि अपोजि ान की तरु से जब कोई बात कही जाती हैं तो आप द्वारा और ट्रेजरी बैचिज द्वारा यह कहा जाता हैं कि चूंकि यह बात मुख्य मन्त्री

महोदय सदन के नेता होने के नाते अपने मुह से कह रहें हैं, इसलिये उनकी बात को मान देना चाहिए।

आवाजें: यह बात ठीक नही हैं।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, अब फिर इन्होने उस बात पर मोहर लगा दी है कि उनतकी बात माननी चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, 25.09.1981 जिस दिन यह वाक्या यहां पर हुआ अस दिन की प्रोसीडिंग्ज जो रैलेवैन्ट हैं, मैं अपने साथ लेकर आयी हूं। वह कार्यवाही मैं अपाके सामने इस सदन के अन्दर पढकर सुनाती हूं कि किस तरह से श्री बलदेव तायल जी कों अप्वायंट किया गया। जब चौधरी हुक्म सिंह और स्वामी आदित्यवे ा द्वारा इस हाउस में एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाये गये तो बलदेव तायल जी ने खड़े होकर एक बात कही कि इस सदन की गरिमा ओर मर्यादा इतनी नीचे गिरती चली जा रही है कि अभी भी कोई आनरेबल मैम्बर किसी दूसरे के बारे में काई भी बात कह देता हैं। अगर किसी ने अपली इज्जत उतरवानी हो तो वह इस असैम्बली का मैम्बर बन जायें। इस पर मुख्य मन्त्री महोदय ने उनकी बात की ताईद करते हुए जो भाब्द कहें हैं, मै वे भाब्द ज्यों के त्यों ही पढकर सुना देती हूं–

''**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, बलेदव तायल जी ने बड़ी अच्छी बात कही हैं। हम इसके लिये बलदेव तायल जी को

जज मानने के लिये तैयार हैं। बलदेव तायल जी, जो इस विशय में फैंसला देगें, वह फैसला हमें मन्जूर होगा।''

आवाजें: बिल्कूल यही बात हुई हैं।

श्रीमति सुशमा स्वराजः मै इससे आगें भी पढ देती हूं जो कुछ उन्होने इसके साथ ही कहा हैं। उन्होने यह भी कहा हैं किः ''आप हुक्म सिंह जी से पूछ लीजिए कि क्या वह इनको जज मानने के लिए तैयार हैं या नही।

इसके बाद हुक्म सिंह जी बोलतें है ''अध्यक्ष महोदय, मैने एक बात कही है कि जो वहां का डोर–कीपर था .... (ाोर एव व्यवधान)''

इसके बाद फिर चौधरी भजन लाल जी बोलतें हैं:''आप यह बताईये कि आप बलदेव तायल जी को जज मानते हैं या नही।''

उसके बाद चौधरी हुकम सिंह जी यह कहते है कि '' मैं मानता हूं।'' (ाोर एव व्यवधान) इस पर चौधरी भजन लाल जी यह कहते हैं: ''हमें श्री बलदेव तायल पर फूल कान्फीडैंस हैं। अगर वे यह कहेंगें कि स्वामी जी ने पैसा लिया है तो हम उनकी बात को मान लेंगे।'' यह बात आपके चौधरी भजन लाल जी ने कही है।

आवाजें: वह तो साबित नही हुआ हैं।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, अगर श्री बलदेव तायल जी अपनी रिपोर्ट यह दे दें कि स्वामी आदित्यावे ा की इन्टैग्रिटी डाऊटफुल नही हैं और स्वामी आदित्यावे ा जी बहुत पहुंचे हुए संत और महात्मा हैं और उनके खिलाफ कोई भी बात साबित नही हुई, फिर तो बलदेव तायल के अन्दर आपको फुल कान्फीडैन्स है क्योंकि उन्होने अपनी मर्यादाओं में रहतें हुए, इस बात को न सोचते हुए कि आपने किसी अपोजि ान के मैम्बर को जज मुकर्रर किया हैं, अपनी रिपोर्ट दी हैं। (ाोर एव व्यवधान)

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल): पहले आप सारी रिपोर्ट तो पढ लें। उसमें उन्होने यह बात कही है कि (ाोर एव व्यवधान)

श्रीमति सुशमा स्वराजः अगर आप इसी तरह बहुमत के आधार पर फैसला कराना चाहतें हैं ता कम से कम मेरी बात रिकार्ड पर तो आने दीजिए (ाोर एव व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः सुशमा जी आपका समय हों गया हैं आप वाइंड–अप करियें।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, समय किस चीज का। आपने सारे बिल पास करवा दिये हैं (ाोर एव व्यवधान)। उपाध्यक्ष महोदय, अगर बलदेव तायल इनके पक्ष में अपनी रिपोर्ट दे देते तो इनका बलदेव तायल पर पूरा कान्फीडैन्स

था लेकिन श्री बलदेव तायल ने तमाम ऐवीडंस के आधार पर रिपोर्ट दे दी और वह रिपोर्ट ट्रेजरी बेचिज़ पर बैठे हुए एक सदस्य कि खिलाफ जाती हैं तो पार्लियामैन्टरी अफेयर्ज मिनिस्टर के माध्यम से इन्होने यह प्रस्ताव रखवा दिया। अगर इंसाफ के तरीके से देखा जाए तो रिपोर्ट के पृश्ठ पर सैकिन्ड पैराग्राफ को पढियें। इसमे लिखा हैं:—

" I was appointed as One Man Enquiry Committee by the order of the Hon'ble Speaker, dated 25th September, 1981(Annexure-I) to go into the allegations levelled by Ch. Kukam Singh, M.L.A. against Swami Aditya Vesh, M.L.A. on the floor of the House. It will not be out of place to mentionthat in reality it wasCh. Ganga Ram, M.L.A. who alleged that Swami Aditya Vesh, M.L.A.has accepted a sumof about Rs. 13,000/- from one Sh. Charan Singh and employee of the Haryana Agro Indsutries Corporation Ltd. This allegation was expunged by the Hon'ble Speaker. Hence it is of no significance. I am pained to remark....."

उपाध्यक्ष महोदय, अगर बलदेव तायल के मन में स्वामी आदित्यावे ा के खिलाफ फैसलां देने की बात होती तो अपोजी ान बेंचिज पर बैठे हुए अपने एक साथी के लिए यह न लिख देते। जो कुछ उन्होने लिखा यह अपोजि ान बेंचिज पर बैठे हुए एक आनरेबल मेम्बर के बारे में हैं। उन्होन लिखा है:—

" I am pained to remark that in spite of issuing repeated summons to Ch. ganga Ram,M.L.A., he managed to evade them and hence his evidence had to be disposed with. It

seems that he had no solid proof with him to substantiate the charge levelled by him against Swami Aditya Vesh (Noise)

Mr. Deputy Speaker: Just a minute. When the remarks of Sh. Ganga Ram were expunged by the Hon'ble Speaker then there was no need for Mr. Baldev Tayal to summon Sh. Ganga Ram for evidence.

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, आप एडवोकेट रहे है ओर आप जानजे है कि जो रिमार्कस ऐक्सपंज हो गए कवेल मात्र उन रिमार्कस के आधार पर कमेटी अप्वायंट नही की जा सकती। दूसरे मेम्बर के कहने पर कमेटी अप्वायंट की गई और सच्चाई पर पहुंचने के लिए कमेटी किसी भी व्यक्ति को समन कर सकती हैं।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी हुकम सिंह की यह ड्यूटी बनती थी कि वे किसी भी तरह से चार्जिज को सबस्टांि ाएंट करते।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी गंगा राम के रिमाकर्स तो ऐक्सपंज हो गए है थें और मास्टर हुकम सिंह ने कोई स्पैसिफिक एलीगे ान नही लगया था। जिसके आधार पर यह कमेटी अप्वायंट की गई उसकी तरफ से तो कोई एलीगें ान नही था। इसलिए कमेटी के पास कोई खास ऐलीगे ान इन्कवायरी करने के लिए नही था। यही वजह है कि इन्कवायरी कमि ान, श्री बलदेव तायल ने स्वामी आदित्यवे ा को यह इन्कवायरी ड्रोप करने की सलाह दी। आप रिपोर्ट में देखे कि उन्होन इस में स्पश्ट तौर पर यह लिखा हैः—

" At the start of the enquiry, I suggested to Swami Aditya Vesh, M.L.A. that there being no allegations hence the enquiry be dropped....."

परन्तु स्वामी जी ने उनकी सलाह को न माना और इन्कवायरी करने के लिए जोर दिया। क्या इस सब चीज को देखतें हुए ट्रेजरी बेचिज पर बैठा हुआ कोई सदस्य यह कह सकता हैं कि श्री बलदेव तायल के मन में इंसाफ करने की इच्छा नही थी।

श्री उपाध्यक्षः सुशमा जी, मै आपका ध्यान इसी पृश्ठ पर जो कुछ हिन्दी में लिखा हुआ है उसकी तरफ दिलाना चाहता हूं इसमे लिखा है:—

''स्पीकर साहब मै मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सिलैक ान कमेटी कोई और श्री और इन्टरव्यू कमेटी कोई और थीं जो दस सेल्जमैन की लिस्ट है इनमें बहुत बड़ा घपला हैं। पलवल में एक आदमी ने एस0पी0 बिजिलैन्स को लिखकर दिया और ऐफीडेविट दिया कि मैने 13,000 रूपया स्वामी जी को दिया। क्या यह सच है? अगर सच है तो स्वामी जी भगवे कपडे उतार कर सदने की पटल पर रख दें।''

अब इससे अगले पार्ट को लिजिए—

"This whole question can be bi-sacted into two parts-

(1) that there is a "Ghapla" in emplying 200 salesmen..... क्या मेरी बहन इस बात को बताऐगी कि केस दस आदमियों का था और ले लिया गया दो सौ आदमीयों को?

श्रीमति सुशमा स्वराजः यह टाइपोग्राफिकल मिंसटेक हो सकती हैं।(ाोर एव व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, जब मुख्यमन्त्री महोदय ने यह कह दिया कि जो भी बरडिक्ट ये देंगे हम उसको मानेगें तो तायल साहब को कुछ तो ख्याल रखना चाहिए था। (ाोर एव व्यवधान) कुछ तो इंसाफ करना चाहिए था। उन्होने इंसाफ कर दिया(ाोर एव व्यवधान) और कम से कम हमारी पार्टी को देखे स्वामी जी हमारी पार्टी में पांच साल तक रहें है और अब भी हैं और आगे भी रहेंगे। तायल साहब को एक तरफा काम तो नही करना चाहिए था।(ाोर एव व्यवधान) ये इनको भगवान मानतें थे (ाोर एव व्यवधान)

श्रीमति सुशमा स्वराजः सुरेन्द्र सिंह जी, आपने अपनी आत्मा की आवाज पर अपना नाम पब्लिक अडरटेकिंग्ज कमेटी में दिया था और इसलिए उस दिन आपका राम झटक दिया गया। इसलिए अब केंवल सनक छिपाने के लिए और अपना मुंह छिपाने के लिए इस तरह की बात सदन में कहना चाहते हैं तो कहतें रहें लेकिन आपमे अन्दर की आत्मा जो कुछ बोल रही हैं वह मै भी जानती हूं और सारा सदन भी जानता हैं (ाोर एव व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः कृपया अब खत्म कीजिए, आपका समय समाप्त हो गया हैं।(ाोर एव व्यवधान)

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, समय किस चीज का खत्क हो गया। आप सारे बिल पास कर चुके हैं। डेढ बजे तक हाऊस चलना है और इसी बात पर बजस होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः लेकिन इस बात के लिए तो सिर्फ आधा घंटा दिया गया है।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, अब तो केवल इसी पर बहस चलनी है।

श्री उपाध्यक्षः इसका यह मतलब तो नही हैं कि सारा दिन इसी पर बहस चलती रहें। इसके लिए तो आध घंटे को समय रखा गया हैं। (ाोर एव व्यवधान)

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे खत्म तो करने दीजिए। मुझे अपनी बात तो समाप्त करने दिजिए (ाोर एव व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, आध घंटे मे से बीस मिनट तो ये खा गए और कभी बीच मै आप अपनी बातें कहते हैं और कभी ये बीच में बोलते हैं।

श्री उपाध्यक्षः कृपया आप अपनी बात खत्म करिए।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह कहना है कि केवल गंगा राम की एवीडेंस मे ही नही बल्कि

सतं कवंर की एवीडैस में भी, चूंकि उन्होने कोई नाम डिस्क्लोज नही करने चाहें थें इसलिए श्री बलदेव तायल ने इंसाफ के नजरिए से उसको भी डिस्पैंस विद किया। लेकिन चौधरी खुर ाीद अहमद कहते हैं कि कोई ऐवीडैंस नही थी जिसके ऊपर बलदेव तायल ने रिपोर्ट दे दी। उपाध्यक्ष महोदय, सोलह फाइंडिग्ज मे से (ाोर एव व्यवधान) ऊपर की पहली आठ फाइंडिगज स्वयं स्वामी आदित्यवे ा के द्वारा मानी गई है। पहली फाइंडिग है–

"that Sh. Charan singh is closely connected with Swami Aditya Vesh, M.L.A."

क्या स्वामी आदित्यवे ा सदन में खड़ें होकर कह सकतें है कि चरण सिंह उनसे क्लोजिली कनैक्टिड नही था? The Second finding is—

"That Swami Aditya Vesh Kniw that sh. Charan Singh is of a dubious Character prior to his appointment as a salesman."

उपाध्यक्ष महोदय, ये तमाम बाते तो प्रताप सिंह, मैनेजिंग डायरैक्टर ऐग्रीइंडस्ट्रीज द्वारा दिए गए है वक्तव्यों पर आधारित हैं या फाइल्ज पर आधारित हैं या स्वामी आदित्यवे ा के अपने कनफै ानल स्टेटमैंटस पर आधारित हैं। मै एक बात आपसे और कहना चाहती हूं कि तमाम इंसाफ को नजर में रखते हुए और केवल मा ऐवीडेंस के आधार पर और फाईले जो कुछ बोलती हैं उनके आधार पर ये सारी बातें उन्होने कहीं, कोई भाब्द सीधे नही कहा कि स्वामी आदित्यवे ा ने पैसा लिया। उन्होने यह कहा

है कि फाइलों पर दिखयी गयी ऐवीडैंस इस बात को द ार्ाती हैं।(ाोर एव व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, उन्होने इसलिए था .... (घण्टी)

श्री उपाध्यक्षः अब चौधरी खुर ाीद अहमद जवाब देंगें।

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, मै केवल एक ही मिनट लूंगी।(ाोर एव व्यवधान) आज दस रिपोर्ट का जनाजा निकाला जा रहा हैं(ाोर एव व्यवधान) हमारे इस सकदन में इस रिपोर्ट को जनाजा निकाला जा रहा हैं।(ाोर एव व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: Kindly wind up. I have called Sh. Khurshid Ahmed.

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, केवल मात्र बहुमत के आधार पर और सेल्जमैन की दस की संख्या को आधार मानकर इसे रिजैक्ट किया जा रहा है। यही नही पी0यू0सी0 की रिपोर्ट को भी दबाया गया हैं। (ाोर एव व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैठ जाईए।

वाक आउट

श्रीमति सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, मुऐ समाप्त तो करनें दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैठ जाए।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अगर आप मुझे नही बोलने देंते तो में एज ए प्रौटैस्ट वाक आउट करती हूं।

(इस समय श्रीमति सुशमा स्वराज सदन से वाक आउट कर गई)

12.00 बजे

बलदेव तायल इंक्वायरी कमेटी रिपोर्ट पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी रिज़क रामः उपाध्यक्ष महोदय, मै भी एक मिन्ट के लिए बोलना चाहता हूं।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है आप एक मिन्ट बोल लें।

गृह मन्त्री(श्री कन्हेया लाल पोसवाल): डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान है कि इस मसले पर कितनी देर तक डिस्क ान हो सकती है?

श्री उपाध्यक्षः आधा घण्टा।

आवाजें: सुशमा जी को इस पर बोलते हुए कम से कम 20 मिन्ट हो गये थे। (ोर)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी रिजक राम।

चौधरी रिजक राम(राई): डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो प्रस्ताव हाउस के सामने जेरेगौर है, यह एक बड़ा ही महत्वपुर्ण प्रस्ताव हैं। जिस वक्त हाउस में इस मसले पर पहले बहस भुरू हुई थी तो मुख्य मन्त्री महोदय और अपोजी ान के कई मैम्बर सोहबान ने यह कहा था कि बलदेव तायल जी जो अपना फैसला देगें, वह हमे सब को मान्य होगा। श्री बलदेव तायल जी ने आपनीं रिपोर्ट दी और उस रिपोंर्ट के ऊपर बोलतें हुए मेंरे फाजिल दोस्त चौधरी खुर ाीद अहमद कुछ कानूनी पहलुओ को कुद दूसरे पहलूओं को सामने रखते हुए अपरी फांइडिगज दी कि यह रिपोर्ट एवीडैन्स पर आधारित नही हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी खुर ाीद अहमद पुराने पार्लियमैंटेरियन है और पुरान वकील भी हैं। हाई कार्ट में इनकी काफी प्रैक्टिस चलती हैं, इस लाइन पर मेरा थोड़ा स तजुरबा हैं। मै एक दो बातें इस बारे में हाउस में कहना चाहता हूं। किसी एक मैम्बर के बारे में, हाउस में खड़े होकर यह कह देना कि यह रिपोर्ट गल्त हैं और फिर आरोप की भाक्ल में एतराज उठाना, कोई अच्छी बात नही हैं। क्योंकि हमने एक रिवायत कायम करनी हैं, कन्वैन ान कायम करनी हैं इसलिए मैं मुख्य मन्त्री महोदय से बड़ी नम्रता से अनुरोध करूंगा कि वे इसका कोई समाधान निकालें। दूसरी बात यह है कि इसका लीगल पहलू क्या हैं, यह भी देखने वाली बात है। मेर से भाई चौधरी खुर ाीद अहमद और ठाकुर साहब भी इतफाक करेंगे कि

जहां इस किस्म की आफर आ जाए तो उस आफर पर पहले ही अच्छी तरह से विचार विम र्श कर लेना चाहिये। अगर किसी को इस रिपोर्ट पर एतराज था तो रिपोर्ट आने से पहले वह एतराज किया जा सकता था लेकिन जब रिपोर्ट हाउस में आ जाती हैं तो उसके ऊपर जैसा कि सरकार की तरफ से आ वासन दिया गया था, किसी प्रकार का काई आफरप के बाद रिपोर्ट आने के बाद कोई एतराज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी नही उठता। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर बीयांड स्कोम कोई बात होती फिर तो आपका कहना वाजब था लेकिन चूंकि कोई ऐस बात नही हैं इसलिए इसको ऐक्सैप्ट कर लेना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरा पहलू यह है कि इस सारे सै ान मे जो कुछ हुआ, यह सब कुछ स्वामी आदित्यवे ा जी की मेहरबानी से हुआ। मुनासिब तो यह था कि चाहे यह रिपोर्ट सही थी या गलत थी, स्वामी जी को इसी सै ान में अस्तीफा दे देना चाहिये था। अव्वल तो उन्हे असैम्बली से ही अस्तीफा दे देना चाहिये था ताकि हाउस की डिगनिटी भी बढती। मुख्य मन्त्री महोदय को यह चाहिये था कि उन से अस्तीफा मांगते और अगर वे अस्तीफा न देते तो उनको बर्खास्त कर देते या फिर पार्टी से निकाल देते तो यह अच्छी बात होती। एक रिवायत कायम हो जाती और पार्टी की इमेज भी बढती। यह पिछला पहले जो मैने बताया अगर मुख्यमन्त्री महोदय इसे अख्तियार करते तो बेहतर

होता। इतना कहते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं और आपका धन्यावाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने को समय दिया।

वित्त मन्त्री(चौधरी खुर शीद अहमद): डिप्टी स्पीकर साहब, आपके सामने इस रिपोर्ट से सम्बन्धित दो आसपैक्टस हैं। एक तो इस रिपोर्ट के पहल पेज को पढकर यहा कहा गया है कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने तायल साहब पर इस मामले के लिए पूरा भरोसा किया था। हम इस बात को मानते हैं कि हमने पुरा भरोसा किया था और इस समबन्ध में यहां पर प्रोसीडिंग्ज भी पढकर सुनायी गयी। हम शुरू में यह समझते थे कि तायल साहब पूरा पूरा इंसाफ करेंगे। इन्साफ केवल होना ही नही चाहिये बल्कि दिखाई देना चाहिये कि किस तरीके से हो रहा है। Justice should not only be done but also should appear to have been done. जजमैन्ट्स के प्रिसीपलज हैं, फैसला के प्रिसीपलज है। मेरी बहन सुशमा जी यहा पर बैठी नही हैं अगर वे बैठी होती तो मैं उन्हे बताता डनहोने यहा पर बोलते हुए काफी कुछ कहा। डिप्टी स्पीकर साहब, केवल दो प्वायंटस पर श्री बलदेव तायल जी के पास केस गया था। पहला प्वायंट ता यह था कि जो 10 आदमीयों की अप्वायटमैंट्स हुई है, उनमें काफी गड़बड़ घोटाला हुआ हैं। दूसरा एस0पी0 बिजीलैंस को स्वामी जी के खिलाफ किसी आदमी ने कोई ऐफीडैविट दिया हैं या नही कि स्वामी जी ने किसी से 13 हजार रूपये खायें हैं। तो इन्होने अपनी तरफ से ही कन्कलूजन दिया हैं कि स्वामी जी ने किसी से 13 हजार रूपये नही लिये हे। यह भी यहां आया है कि वह ऐफीडैविट किसी अफसर को नही

दिया गया बल्कि वह खुद उन्होने अपने पास रखा। जब इतनी सारी बातें उनके सामने रखी गयी तो उन्हे अपनी फाइंडिग उनके आधार पर देनी चाहिये थी इन्होने यह कर दिया कि इसीडैन्ट अगर चण्डगढ़ का है तो रिपोर्ट कलकता और आस्ट्रेलिया से समबन्ध कर दी। सिडनी तक की रिपोर्ट बना बैठे कि वह वाक्या यूं है इसलिए यह गलत बात हुई हैं। दूसरा जहां तक ऐवीडैन्स का ताल्लूक है 16 फाईडिंगज है, पेज पूरा भरा पडा हैं। किसी ने किस को क्या कहा, इस बारे में एक पैरा भी मैन्‍ ान नही किया गया लेकिन ऐवीडैन्स पर ये कंक्लूजन बैस किये गये हैं और जब उसको पढकर देखा गया तो बहुत भाुरू में ही यह पाया गया कि सैन्टैन्स बाईसैक्ट करते वक्त किसी बात का ध्यान रही किया गया हैं। हमने जो इन्हें 10 आदमीयों के बारे में कहां था और इन्होने 200 बना दिये तो ऐसे कमि ान की इंक्वायरी रिपोर्ट को किस आधार पर सही माना जा सकता है?(ाोर एव व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: He couold not frame proper issues even.

Chaudhri Khushid Ahmad: Sir, You have been an advocate throughout your life. अगर एक कमेटी की फाइंडिग्ज आ गई या एक जज का फैसला आ गया तो क्या उसके बाद कुछ नही हो सकता? जनाब सारी जुडि सयरी इसी आधार पर कायम है कि अगर एक फैसला ऐसा आता है और बगैर ऐवीडैन्स के होता हैं तो वह सब जज के फैसले की अपील डिस्ट्रिक्ट जज और डिस्ट्रिक्ट जज के फैसले की अपील हाई कोर्ट और हाई कोर्ट

के फैसले की अपील सुप्रीम कोर्ट में आ जाएगी। ये सारी अपीलज इसलिए होती हैं क्योंकि कहीं मिसकैरिज आफ जसटिस न हो जाए।

चौधरी रिजक रामः डिप्टी स्पीकर साहब, न तो व जज हैं और न वह कोई कार्ट थी, वह तो एक रैफ्री था, जिसकों न रूरल की और न ही किसी एवीडैन्स की आव यकता होती है।(ाोर)

चौधरी खुर ाीद अहमदः डिप्टी स्पीकर साहब, चाहे कोई रैफ्री भी हो, वह कुछ तो प्रोसीजर अडाप्ट करेगा, सिम्पल रीडिंग तो करेगा। अगर वह ऐसा रैफ्री है तो हमे क्या पता था कि रैफ्री हमारे साथ हाउस में ऐसा करेगा कि एक गुना के 10 गुना क्या बल्कि 10 के 200 गुना बना देगा। हमें यह पता नही था कि हम इस तरह को रैफ्री अप्वायंट करने जा रहें है। तो जहां तक इस रिपोर्ट का ताल्लूक है यह इस तरह के फैक्टस पर आधारित है जिसको मैं समझता हूं कि this report is not even worth the paper on which it is written. Therefore, I request that this report be desapproved by the whole House.

Mr. Deputy Speaker: Now I will put the motion for disapproval to the vote of the House.

Mr. Deputy Speaker: Quetion is—

"That this House, after having considered the report by Shri Baldev Tayal, M.L.A. to enquire into the allegations and counter-allegation levelled in the House by Chaudhri

Hukam Singh and Swami Aditya Vesh, M.L.A. on 25-09-1981, disapproves the said report.

The Motion was carried

स्पश्टीकरण

कृशि मंत्री द्वारा घरोंडा में नई अनाज मण्डी के बराबर 11 एकड़ भूमि डी–डक्वायर करने सम्बन्धीं।

कृशि मंत्री (श्री भाम ोर सिंह): अध्यक्ष महोदय, अभी जीरो पावर में कामरेड भांकर लाल जी ने एक बात कही कि घरोडा़ में नई अनाज मण्डी के लिए 11 एकड़ जो भूमि थी, वह एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब ने छोड़ दी है और उसमें 5 लाख रूपये को घोटाला हैं। मैने प्रातः इसका जवाब देते हुए उन्हे कहा था कि आप मुझे इसकी पूरी डिटेल लिखकर दे दें, हम पूरी जानकारी प्राप्त करने के प चात कल को यहां पर तफसील के साथ बता देंगे। कामरेड भांकरलाल जी ने वही बात जो उन्होने अपने मुंह से कही थी, लिखकर भेज दी हैं। उन्होने लिखा हैं कि मेरी जानकारी में ऐसा आया है मतलब कि उन्होने ऐसा सुना हैं। मैने अभी फाइल मंगवा कर पढी हैं। इस फाइल से मैं आपको चार चार या पांच पांच लाइनो कें दो तीन नोट पढ कर सुनाता हूं जिससे बात साफ हो जाएगीं। उपाध्यक्ष महोदय, घरौडा़ं मे नई

अनाज मण्डी बनाने के लिये 58 एकड़ 7 कनाल, 13 मरले जमीन एक्वायर की गई। उसकी सैक ान 6 बी हो चुकी हैं और मण्डी बननी भाुरू हो गई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस केस में कई रिप्रजैंटे ान्ज वहां के किसानों मे मेरे को भी ओर पी0डब्ल्यू0एम0 जोकि उस हल्के के रिप्रजैंटेटिव हैं, दीं पी0डब्ल्यू0एम0 ने फाइल देखनी चाही तो 01—04—1981 को उनको फाइल भेजी गई। उन्होने उस पर नोटिंग लिखी है—

'' वि0/पी 17—18 पर पड़ें आवेदन पत्र के मे जोकि इन लोगो ने कृशि मन्त्री महोदय को लिखा है मैने देख लिया है। ये लोग मुझे भी कई बार मिल चुके हैं। इन लोगो की जमीन जाकि रेक्टैंगल न0 91 तथा 92 में है और जो लगभग 6 एकड़ है सारी की सारी एक्वायर कर ली गई हैं। ऐसा होने से इन लोगों के रिहाय ाीं मकान तथा प ाुओं को बांधने को स्थान भी इसी जमीन में आ गया हैं जिस कारण यह मकान मकान तथा प ाुओं को बांधने को स्थान न होने के कारण लगभग पहले ही उजड़ गये हैं। इसलिए मैं कृशि मन्त्री जी से अनुरोध करूंगा कि उनकी जमीन को एक्वायर करने से मुक्त कर दिया जाएं। यदि किसी कारण मण्डी के लिये जमीन लेने की आव यता बहुत हो तो कोई औरप जमीन जोकि इस मंडी के बिल्कूल साथ लगती है, को एक्वायर कर लिया जाए। पहले भी इन आवेदकों की जमीन अर्थात एक्सटैन्ा ान न0 91 तथा 92 इस मंडी में भाामिल नही थें और बाद में इसे भाामिल कर लिया गया था। एक तो यह जमीन 5

एकड़ 6 मरला है जिसके बारें में उन्होने कहा था कि 11 एकड़ जमीन हैं। उन्होने भाायद दोनो फिगर्ज को जोड़ करके बता दिया था। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें डिपार्टमैंट के अफसरो ने यह माना हैं कि एक मकान बना हुआ हैं जिसमें प ा भी बंधतें हैं। ये कहते हैं कि उसमें और भी हैं। मैनें इसके बाद फाइल पर यह लिखा–

" The suggestion by P.W.M. may be examined. It seems to me a hard case if the residential and cattle houses have been acquired. I may be informed about the action within a week."

बोर्ड के अधिकारियों ने एन्जामिन करके दोबारा इस बात के लिये इनसिस्ट किया कि नही यह जमीन एक्वायर करनी जरूरी हैं। उन्होने लीगल प्वायंट भी उठाया कि इसकी सैक ान 6 के तहत नोटिफिके ान हो चुकी हैं, इसलिए उनकी बात न मानी जाए। उसके बाद मैंने लिखा –

" After going through the reply at P.U.C. II sent by the Department I find that it has been left vague how the land in question is soessential for the Mandi that it cannot be deacquired. Therefore, i presume that it can be safely deacquired without causing any harm to the developement of the Mandi at Gharaunda. The P.W.M. had clearly suggested at page 5 ante that if any more land is needed then admecent land can be acquired. As for as the question that the land cannotbe deacquired because all the proceedings have been completed, a directive anc be issued to the market committee to give this land back to the owners. It may not be out of place

to mention here that the reply of the Board itself contains that the house buildings in this land are being used for tethering cattle. Therefore, i deem it proper that the land in question be released."

Thereafter i sent the file to the Hon. P.W.M. The P.W.M. on 30th March] 1982 recordedtheron—

"I have got the site in question ispected from the Chief Engineer H.S.A.M.B. He tells me that here is nothing at site except a small cooler room constructed of about 15'x10'. I would therfore, request A.M. to kindly get this land derequistioned considering the fact in my note dated 9th April, 1981 at page 5 ante. Ofcourse Sh. Lehna Singh will have to pay to the H.S.A.M.B. the amount spent on the construction of small room to avoid any loss to them."

Then, the next day i.e. on 31st March 1982, i wrote—

" I agree with the P.W.M. necessary action may be taken."

उपाध्यक्ष महोदय, दो तीन बातें हैं। पहली बात तो यह कि अभी तक कोई जमीन डी–एक्वायर नही किी गई। जमीन जो इन्सालवड हैं वह 5 एकड़ और उसमें मकान बना हुआ हैं जिसमें वे भी रहतें है और प ा भी बांधते हैं। पी0डब्ल्यू0एम0 उस कोस्टीच्यूएंसी को रिप्रजैंट करते हैं। उनको इस बारे में पुरी नालेज हैं। उनके नोट को देखते हुए मैने भी इसलिए लिखा था कि मण्डी को इससे नुकसान नही होगा। तो उपाध्यक्ष महोदय, यह

सारी बात थी। इस बारे में भांकर लाल जी ने जिस किसी के भी ऐमा पर कहा था वह सरासर गल्त और बेबुनियाद था।

उपाध्यक्ष द्वारा घोशणा

चौधरी गंगा राम को सदन मे उपस्थित होने की आज्ञा देने सम्बन्धी।

Mr. Deputy Speaker: A resolution was passed by the House on 22nd March, March 1982 suspending Chaudhri Ganga Ram, M.L.A. from the service of the House for the current Assembly Session, Since then the Hon. Speaker received numerous requests for admitting him to the House. Since this is probaly the last session of the present House, sor to generate good-will amoungst the Members of the house, he discussed this matter with the Hon. Chief Minister and the leaders of the various groups that in case the Member assures to remain amenable to discipline if the House agrees, I will permit him to attend the Assembly session frm tomorrow, the 2nd april, 1982.

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, हमारा तो हमे ाा यही रवैया रहा है कि हाउस के किसी भी मैम्बर को हाउस से न निकाला जाएं। आप देखते है कि कैसे उनका रवैया रहा है, जो न काबिले बर्दा ात थां कल भी आपने इनका रवैया देखा होगा लेकिन हम तो फिर भी यही कहेंगे कि यह आखिरी सै ान है और जो आपने कहा हैं हम उसको मानतें हैं। आप चौधरी गंगा राम जी को कल बुला लें।

***12.20 बजे**

श्री उपाध्यक्षः अब सदन कल दिनांक 02—04—1982 प्रातः 9.30 तक के लिये स्थगित किया जाता हैं।